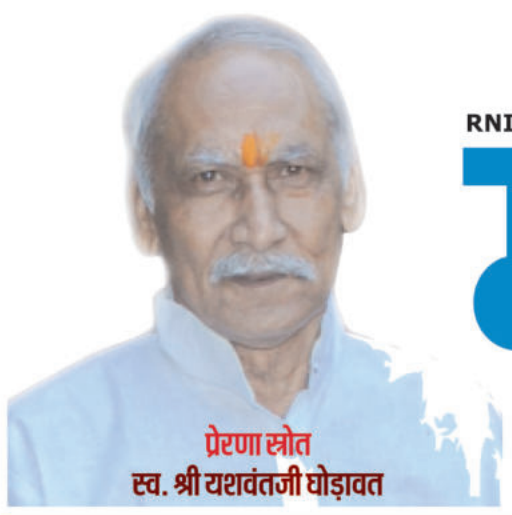

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

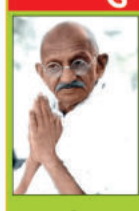

अहिंसा कमजोरों का धर्म नहीं है, बल्कि सर्वोत्तम शक्तिशाली का लक्षण है।

महात्मा गांधी

वर्ष-08, अंक - 01 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरूवार 02 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

बेबाकी के साथ सच और विश्वास के सात वर्ष पूर्ण...

माही की गूंज, झाबुआ डेस्क।

पत्रकारिता जगत के पितृ पुरुष स्वर्गीय यशवंत जी घोडावत की प्रेरणा व दिव्य आशीर्वाद से सिंचित पौधा 'माही की गूंज' अब धीरे-धीरे वृक्ष बनने की दहलीज पर है। पिछले 7 वर्षों में जनता के हर विश्वास और कसौटी पर खरा उतरने का पूरी ईमानदारी के साथ प्रयास किया गया। आम जनता से जुड़े मुद्दे हो, भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दे हो, माफियाओ से जुड़े मुद्दे हो, प्रशासनिक अनियमित्ता के मुद्दे हो, या राजनीतिक मुद्दे, हर जनहित के मुद्दे पर माही की गूंज ने खरा उतरने का प्रयास किया है।

7 वर्षों का सफर मंजिल नहीं पड़ाव है जो दिव्य आशीर्वाद स्वर्गीय घोड़ावत जी का है उसी के अनुसार जनहित के मुद्दे पर माही की गूंज ने कभी कोई समझौता नहीं किया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में बाधाए तो आती रहती है लेकिन माही की गूंज ने हर बाधा और चुनौती का सामना सच और निडरता से किया है। पिछले 7 वर्षों के दौरान झाबुआ जिले सहित आसपास के जिलों में भी माही की गूंज की स्वीकार्यता बड़ी है। ग्रामीण परिवेश में पत्रकारिता का कार्य करना निश्चित रूप से काफी जटिल और चुनौतीपूर्ण है। क्योंकि कहते हैं कि, दिल्ली में बैठकर प्रधानमंत्री के खिलाफ लिखना आसान है लेकिन गांव में रहकर गांव के सरपंच या सचिव के खिलाफ खबर छापना काफी कठिन कार्य है। ग्रामीण पत्रकारिता भी अपने आप में कई चुनौतियां हैं लेकिन पिछले 7 वर्षों में माही की गूंज ने हर चुनौती का बखूबी सामना किया है। चाहे शासन व प्रशासन की जनहितेसी खबरों को आम जनता तक पहुंचाना हो या आम जनता की समस्याओं को शासन-प्रशासन के सम्मुख रखना हो, हर भूमिका में माही की गूंज, की गूंज गूंजती रही है। इस दौरान पाठकों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के संवाददाताओं का बखूबी साथ मिला। शायद इसलिए हर किसी को माही की गूंज की खबरों के लिए गुरुवार का इंतजार रहता है।

पिछले 7 वर्षों में मिले इस प्यार और समर्थन के लिए माही की गूंज सभी पाठकों, आमनागरिको,कर्मठ सवांददाताओ का आभार व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त करता है कि, इसी प्रकार का प्यार और समर्थन आठवे वर्ष में भी मिलता रहे एक बार पुनः सभी स्नेहीजनों का आभार.....

माही की गूंज की कलम अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सदैव चलती रही है और निरंतर आगे भी चलती रहेगी।

....प्रधान संपादक...

मौलाना तौकीर के करीबी डॉ. नफीस और बेटे को जेल

बरेली।

बरेली में बवाल के मामले में आरोपी डॉ. नफीस खां और उसके बेटे फरमान समेत आठ और आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बताया कि बुधवार को कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो आरोपी मुठभेड़ में पकड़े गए हैं। ये दोनों शाहजहांपुर जनपद के रहने वाले हैं। बवाल के बाद से अब तक कुल 81 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। फुटेज और वीडियो के आधार पर आरोपियों को चिह्नित किया जा रहा है। पुलिस का ध्यान उन लोगों पर है, जिन्होंने भीड़ को जुटाने और भड़काने की कोशिश की थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के मुताबिक जांच में यह तथ्य सामने आया कि 26 सितम्बर को जुमे की नमाज़ का समय बदला गया था। मौलाना तौकीर का वीडियो जारी होने के बाद यह संदेश फैलाया गया कि जुमे की नमाज़ एक बजे होगी। जबकि आमतौर पर यहां साढ़े 12 बजे से पौने चार बजे तक नमाज़ होती है। इससे स्पष्ट है कि साजिश के तहत समय बदला गया ताकि अधिक से अधिक भीड़ इस्लामिया मैदान की ओर पहुंचे। अब तक जेल भेजे गए आरोपियों में तीन दूसरे राज्यों के निवासी हैं। इनके बारे में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ज़िले में धारा 163 लागू है, जिसका सख्ती से पालन कराया जाएगा।

आई लव मोहम्मद के समर्थन में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रज़ा खां के बुलावे पर भीड़ जुटी थी। मौलाना के न आने से भीड़ बेकाबू हो गई। पुलिस का कहना है कि लोगों ने दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की थी। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागे गए। इस बवाल में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

बवाल के बाद पुलिस ने शहर के अलग-अलग थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें 125 लोग नामजद और करीब तीन हज़ार अज्ञात आरोपी हैं। सात मुकदमों में मौलाना तौकीर रज़ा का नाम है। बवाल की जांच के लिए उप पुलिस महानिरीक्षक अजय कुमार साहनी के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इसमें पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक के नेतृत्व में तीन क्षेत्राधिकारी और 14 निरीक्षक शामिल हैं।

मोदी-नीतिश का करिश्मा बनाम राहुल-तेजस्वी की रणनीति, पीके से नई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।

चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है और अब दीपावली व छठ के बाद विधानसभा चुनाव होने तय हैं। इस बार मुकाबला नरेंद्र मोदी-नीतीश कुमार की जोड़ी के करिश्मे और तेजस्वी यादव-राहुल गांधी के भरोसे के बीच है। राजग (एनडीए) भाजपा, जद(यू), चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा के साथ पहले से अधिक एकजुट दिख रहा है। हालांकि सीट बंटवारे पर खींचतान जारी है। भाजपा-जद(यू) को करीब 200 सीटें मिल सकती हैं।

महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, वाम दल और मुकेश साहनी की वीआईपी शामिल हैं। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री चेहरा बनाया गया है। कांग्रेस ने अति पिछड़ों व दलितों को साधने के लिए विशेष घोषणा पत्र जारी किया है, जबकि राजद का यादव-मुस्लिम वोट बैंक उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

इस चुनाव में नीतीश सरकार की घोषणाएँ, खासकर महिलाओं को दस हजार रुपये देने की योजना, राजग का बड़ा दांव है। वहीं महागठबंधन बेरोजगारी, पलायन और खराब कानून व्यवस्था को मुद्दा बना रहा है।

नए फैक्टर के रूप में प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी सभी 243 सीटों पर उतरेगी। युवाओं और बदलाव चाहने वाले मतदाताओं के बीच उन्हें समर्थन मिल सकता है। साथ ही बसपा और ओवैसी की एआईएमआईएम भी मैदान में होंगी, जिनसे नुकसान महागठबंधन को होने की आशंका है।

कटाक्षः एमपी अजब और पुलिस गजब...

थांदला पुलिस को जीवित महिला को मृत बताने, किसी मृत व्यक्ति को मुख्य आरोपी बनाने, पत्रकारों पर अवैध वसूली की झूठी एफआईआर करने पर व बदुंक के दम पर की गई लूट को चोरी की घटना बताने पर मुख्यमंत्री द्वारा दिया जाना चाहिए सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ डेस्क।

संजय भटेवरा

कहते हैं, निंदक नियारे राखिए, आंगन कुटी छबाय।

वैसे तो हमारा कानून कहता है कि, किसी गुनाहगार को एक बार सजा नहीं मिले तो चलेगा, परंतु किसी भी स्थिति में किसी भी बेगुनाह को सजा नहीं मिलना चाहिये। लेकिन हमारे मध्य प्रदेश को कहा जाता है कि, एमपी अजब और गजब ही है। मध्य प्रदेश में ऐसे कई वाकिये हैं जिसमें अनचाहे मुद्दे सामने आए हैं जिसे अजब और गजब ही कहा जा सकता है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश के पश्चिम छोर पर बसे आदिवासी बाहुल झाबुआ जिले में भी कई ऐसे अजीबो गरीब वाकिये हुए हैं जहां असल अपराधी को सम्मानित किया जाता रहा है तो वहीं बेगुनाह को गुनाहगार बना दिया जाता है।

अगर हम इस बार झाबुआ जिले के थाना थांदला पुलिस की बात करें तो यहां की पुलिस ने कई ऐसे करनामें किये, जिसमें बेगुनाहो को गुनाहगार बनाकर जेल की हवा खिला चुकी है। वहीं बड़े अपराध को छोटा अपराध बताकर असल अपराधियों को संरक्षण देने का अजीबो गरीब कारनामे कई मर्तबा किये है। वैसे तो पुलिस की उक्त कार्य प्रणाली पर पुलिस के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होकर ऐसे संबंधित मामलों की उच्च स्तरीय जांच कर असल मामले तक पहुंचना चाहिये था। परंतु ऐसा आज तक एक भी मामले में नहीं हुआ। ऐसे में हम यहां यही कहेंगे कि, पुलिस की इस तरह की कार्यप्रणाली किसी अपराध की श्रेणी में नहीं आती है तो क्यों नहीं इस प्रकार की कार्य प्रणाली के साथ पुलिस को अब बेगुनाह को सजा दिलाने व गुनाहगार को संरक्षण देने वाला, मध्य प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री द्वारा थांदला पुलिस को प्रमाण-पत्र किसी प्रादेशिक या राष्ट्रीय मंच पर बुलाकर देना चाहिए।

जी, हां, थांदला पुलिस के कुछ करनामें बताएं तो उक्त सम्मान पत्र को लेने का हकदार थांदला पुलिस रखती है।

जिसमें एक जीवित महिला को मृत घोषित कर बेगुनाह अपराधियों को जेल की हवा खिलाई। एक सरपंच पति की हत्या में पूर्व से मृत व्यक्ति को मुख्य आरोपी बनाकर अन्य को सहआरोपित बनाना। सलमान लाला जैसे अपराधी का फर्जी स्थान पर फर्जी दस्तावेज का सत्यापन कर फर्जी पासपोर्ट बनवाने का श्रेय भी थांदला पुलिस को जाता है। जिसमें असल बीट प्रभारी का सम्मान कर कल्याणपुरा थाने पर ट्रांसफर कर दिया व थाना प्रभारी के विरुद्ध भी कोई जांच नहीं बिठाई गई लेकिन एक अन्य प्रधान आरक्षक के विरुद्ध एक सूक्ष्म कार्रवाई जरूर की गई।

बिन पानी, साबुन बिना निर्मल करें सुभाय।। अर्थात निंदा करने वाले (आलोचक) व्यक्ति को अपने पास रखना चाहिए, ऐसा इसलिए है क्योंकि यह निंदक बिना पानी और साबुन के भी हमारे स्वभाव को निर्मल कर देते है, हमारी कमियो को बताते हैं और हमें आत्म सुधार करने का अवसर देते हैं। लेकिन हमारा पुलिस या प्रशासन, सिस्टम में सुधार लाने हेतु जनहित में जो उनकी निंदा समाचार पत्रों में निष्पक्ष पत्रकार द्वारा की जाती है, तो उन पत्रकारो को भी अपना विरोधी मान मौका बनाकर उनके विरुद्ध फर्जी मामले दर्ज करने में कोई चुक पुलिस नहीं कर रही है। जिसमें जनहित में आधार करेक्शन में आ रही अनेको शिकायत में आधार सेंटर पर हो रही अवैध वसूली के समाचार प्रकाशित करने पर पुलिस व प्रशासन ने मिलकर अवैध वसूलीकर्ता अपराधी को ही फरियादी बनाकर साथ में सलग्न आरोपित माही की गूंज के दो पत्रकारों के विरुद्ध फर्जी मामला दर्ज कर असल अपराधी को संरक्षण थांदला पुलिस द्वारा दिया गया।

अपराध लूट का पर पुलिस ने हकीकत को बदल दर्ज की चोरी की एफआईआर

एमपी की थांदला पुलिस के इन्हीं अजीबो गरीब कारस्तानियों के साथ मंगलवार-बुधवार दिनांक 23-24 सितंबर 2025 की मध्य रात्रि में थांदला थाने की खवासा चौकी अंतर्गत ग्राम धूमडिया में सात नकाबपोश लुटेरों ने पप्पू पिता नाथू वसुनिया हनुमान मंदिर के पास बने मकान में दस्तक दी। तथा दरवाजा तोड़ने का लुटेरों ने प्रयास किया, दरवाजा नहीं टूटने पर दो बड़े पत्थरों से दरवाजे पर हमला कर दरवाजा तोड़ा। घर के अंदर पप्पु व पत्नी कालीबाई वसुनिया, साली की लड़की घर के अंदर सोए हुए थे कि, पत्थरो से दरवाजा तोड़ घर के अंदर दस्तक दी और लुटेरों ने जमकर बेखोफ होकर करिब 1 घंटे तक घर के अंदर उत्मात मचाया और लूट को अंजाम दिया। जिसमें करीब सात नकाबपोश लुटेरे घर के अंदर घुसे सभी लुटेरे हथियार लेस थे। जिसमें दो लुटेरों के हाथ में देसी कट्टे (बंदुक) थे, साथ ही पीले व काले कलर के हत्थे वाले धारदार धारिये व काले कलर के मजबूत लट्ठ हाथों में थे। देसी कट्टे हाथ में लिए लुटेरे ने पप्पू के साथ पत्नी काली व साली की लड़की को बंदुक की नोक पर लिया और लुटेरों ने पूरे घर में लूट मचाई। जिसमें पप्पू के हाथ में 250 ग्राम चांदी के कड़े, पत्नी काली के हाथ में पहने चांदी की चार चूड़ियां, 600 ग्राम चांदी की कड़ी (बाहटिया) 5 ग्राम सोने के टॉप्स, सोने का मंगलसूत्र पहना हुआ निकाला। साली की लड़की के पास चांदी के पायल और 500 ग्राम चांदी की साकली पहनी हुई निकाल ली। साथ ही कोठी व पेटियों को अस्त-व्यस्त कर भैंस को बेचकर आए 70 हजार नगदी व घर में अन्य एक लाख के ऊपर रखी नगदी अपने मेहनत की राशि यानी कुल 1 लाख 70 हजार के ऊपर नगदी लूटे एवं अन्य जेवरात लुटेरों ने घर के लोगों को बंदुक की नोक पर रख जान से मारने की धमकी देने के साथ लुटेरो ने लुट को अंजाम दिया।

धुमड़िया में पप्पु वसुनिया के घर में नकाबपोश 7 लुटेरो ने बंदुक की नोक परिवार को जान से मारने की धमकी देकर जिस लुट को अंजाम दिया उसे पुलिस ने बता दिया एक सामान्य चोरी घटना।

वहीं उक्त लूट के मामले में पप्पू का पुत्र सुनील ने माही की गूंज को जानकारी देते हुए बताया कि, हम दो भाई बामनिया रहते हैं जैसे ही मेरे पिता ने घर में लूट होने की सूचना मुझे दी। वैसे ही मेने डायल 112 पर घटना की जानकारी दी पेटलावद- बामनिया की पुलिस मौके पर पहुंची परंतु थांदला-खवासा पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

सुनील ने बताया कि, 7 लुटेरे घर के अंदर घुसे थे जो नकाबपोश होकर सभी हथियार लेस थे। बाहर कितने लुटेरे थे यह नहीं पता। दो लुटेरों ने पिता व परिवार को बंदुक की नोक पर रखकर उपरोक्त लूट को अंजाम दिया। जिसकी रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई है। लेकिन पुलिस द्वारा मामले को कुछ और ही बताकर चोरी की घटना बताई जा रही है। जिससे लगता है कि पुलिस सरे आम अपराधियों को संरक्षण दे रही है। सुनील ने यहां तक बताया कि, सातों हथियार लेस लुटेरे एक बार घर से बाहर निकल गए और मेरे पापा के हाथ से निकाले चांदी के कड़ो के बारे में आपस में चर्चा की कि, वह किसके पास है लुटेरे घर से कडे नहीं ले जा सके तो पुनः घर के अंदर लुटने आए उस समय दूसरे कमरे में मेरे पिता, मम्मी व मौसी की लड़की बहन घर के अन्य कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर दिया। लुटेरे घर के अंदर घुसे बिस्तर को खंगाल कर वह कड़े भी लूट कर ले गए।

वहीं उक्त घटना के दो-तीन दिन पूर्व ही इसी तरह दरवाजा तोड़कर खवासा चौकी के ग्राम गुलरीपाड़ा में लूटरों ने 20-21 सितंबर की रात्रि में लूट को अंजाम दिया। लेकिन दोनों मामलों में पुलिस ने लूट की बजाएं चोरी का मामला दर्ज किया। धुमडिया के मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 331(4),305चोरी का मामला दर्ज कर एफआईआर में उल्लेख किया कि, पप्पू उसकी पत्नी काली व साले की लड़की पायल सभी घर के अंदर दरवाजा बंद कर सोए थे कि, 25 सितंबर रात करीब साढे 12 बजे मेरी नींद खुली व मैंने उठकर देखा तो मेरे घर का दरवाजा खुला हुआ था। तथा गेहूं की कोठी में रखे चांदी के दो कड़े, चांदी की चार चूड़ी, एक जोड़ कड़ी, एक जोड पायल, सोने के टॉप्स, एक जोड़ सोने का एक मंगलसूत्र एवं नगदी 45 हजार रुपए वहां रखे हुए थे जो वहां पर नहीं थे जिसे अज्ञात बदमाश दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और चुराकर ले गए।

पुलिस की यहां इतनी बड़ी कास्तानी जिसमें 7 नकाबपोश लुटेरे बंदुक की नोक पर जान से मारने की धमकी देकर सरेआम लूट को अंजाम दिया और 1 लाख 70 हजार से अधिक की नगदी राशि व मूल्यवान चांदी व सोने के आभूषण लूट ले गए। लेकिन पुलिस ने लूटरों को संरक्षण देकर फरियादी को घर में सोए हुए बताकर चोरों ने चोरी को अंजाम दिया व चोरी की नगदी रकम मात्र 45 हजार बताई एवं आभूषण का वजन भी कहीं नहीं दर्शाया और पुलिस ने अपने कार्य की इति श्री कर दी।

कुछ इसी तरह गुलरीपाड़ा में भी लूट के मामले में चोरी का मामला दर्शाया। पुलिस की इस कार्य प्रणाली पर सरकार व सरकार के उच्च नुमाइंदे को लगता है कि, उपरोक्त पुलिस की कार्य प्रणाली सराहनीय व सही है तो इसमें थांदला पुलिस द्वारा जीवित महिला को मृत बताने, मृत व्यक्ति को मुख्य आरोपी बनाने, सलमान लाला का पासपोर्ट बनाने में फर्जी सत्यापन करने तथा जो पत्रकार इन कमियों को प्रमुखता से उजागर करें उन पत्रकारों के विरुद्ध आधार कार्ड की अवैध वसूली के प्रकाशन पर पत्रकारों के विरुद्ध फर्जी मुकदमा दर्ज करने व बंदुक की नोक पर हुई लूट को चोरी में तब्दील करने वाली थांदला पुलिस को प्रादेशिक या राष्ट्रीय मंच पर बुलाकर मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा सम्मानित किया जाना चाहिए। ताकि आगे भी यह पुलिस सम्मान स्वरूप बेगुनाह को गुनाहगार व गुनाहगार को बेगुनाह बनाने जैसी कार्रवाई करें और इनके कंधे पर लगे तमगे और अधिक चमकदार हो...?

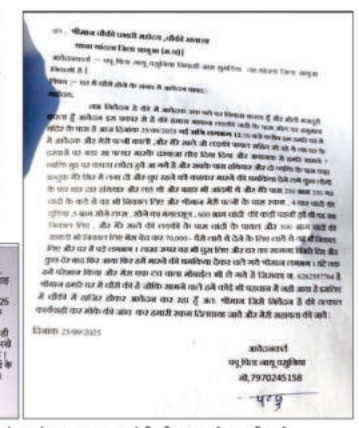

पीड़ित पप्पु ने पुलिस को दी लिखित रिर्पोट व पुलिस ने तोड मरोड कर सामान्य चौरी की एफआईआर की दर्ज।

जिले भर में माता पांडालों में रही नवरात्र की धूम

रंग-बिरंगी रोशनी में डूबे पांडाल, देखने को मिली आकर्षक गरबों की प्रस्तुति

माही की गूंज, झाबुआ।

वैसे तो नवरात्र का पर्व पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय पर भी इसकी खाकी धूम नौ दिनों तक देखने को मिली। शहर के राजवाड़ा, राजगढ़ नाका, अंबेमाता मंदिर सहित कालिका माता मंदिर पर भी गरबा प्रेमियों में काफी उत्साह देखने को मिला। नवरात्र के अंतिम दिवस गरबा पांडालों में भीड़ अल सुबह तक जमी रही और जमकर गरबा खेलते हुए माता की आराधना की। सप्तमी और अष्टमी पर पांडाल गरबा प्रेमियों से खचाखच भरे नजर आए। भीड़ के कारण पांडालों में जगह कम पड़ती दिखाई दी। आज गुरूवार को सुबह तड़के माता प्रतिमाओं का विसर्जन होगा। इस बार गरबों में पहुंची गरबा प्रेमियों की भीड़ ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए है। शहर के राजवाड़ा चौक पर देवधर्मराज उत्सव समिति के तत्वाधान में गरबों का आयोजन किया जा रहा था तो राजगढ़ नाका पर राजगढ़ नाका मित्र मंडल नवरात्र के इस आयोजन के सारथी रहे। इसके अलावा लोकप्रियता के मामले में मेघनरग के ग्राम फूटतालाब में भी खासी धूम गरबों की मची रही। यहां बाहर से आए कलाकारों ने हर रोज भिन्न-भिन्न प्रकार की गरबा प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया।

इसके अलावा पूरे जिले में माता मंदिरों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। शहर के कालिका माता मंदिर पर हर रोज होने वाली काकड़ आरती में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आरती का लाभ लिया। तो वहीं अंबेमाता मंदिर पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ नवरात्र के दौरान देखी गई। इसके अलावा जिले के प्रसिद्ध माता मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। आज दशहरे के अवसर पर भी जिले भर में दशहरा मनाते हुए रावण दहन किया जाएगा। झाबुआ के कॉलेज मार्ग पर 51 का रावण दहन होगा। जिसकी तैयारी पूर्ण हो चुकी है। शाम ढलते ही रंगीत आतिशबाजी के साथ असत्य पर सत्य की विजय के रूप में रावण का प्रतिकात्मक दहन किया जाएगा।

खवासा

जप, तप और साधना का महापर्व नवरात्रि संपन्न

माही की गूंज, खवासा।

मां दुर्गा की आराधना का दस दिवसीय महापर्व नवरात्रि संपन्न हुआ। वैसे तो आमतौर पर नवरात्रि नो दिनों की होती है लेकिन इस बार यह पर्व पूरे दस दिन चला। जिससे भक्तों को मां की आराधना के लिए एक अतिरिक्त दिन मिल गया। पूरे देश में शारदीय नवरात्रि भव्य रूप में मनाई जाती है। खवासा सहित आसपास के गांव में भी नवरात्रि की धूम रही स्थानीय रोग्यादेवी मंदिर पर रोग्यादेवी मित्र मंडल तथा बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर पर संकट मोचन मित्र मंडल के तत्वाधान में रंगारंग गरबा आयोजित किए गए। यहां प्रतिदिन महिलाओं ने निश्चित ड्रेस कोड के साथ आकर्षक गरबा रास किया। प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रसादी का वितरण किया गया। अष्टमी के अवसर पर महायज्ञ आयोजित किया गया। वहीं बस स्टैंड पर नवमी के अवसर पर कन्या भोज एवं 151 थालियो के साथ महाआरती की गई। पाटीदार मोहल्ले में स्थित श्री राम मंदिर पर भी हवन आयोजित किया गया व शंकर मंदिर पर गायत्री परिवार द्वारा प्रतिदिन जाप किए गए।

बरवेट

यज्ञ पूर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन

माही की गूंज, करवड़।

गंगाखेड़ी स्थित मां नागणेचा काली कल्याण धाम माताजी का अति प्राचीन और चमत्कारिक मंदिर है मंदिर पर प्रतिदिन नवरात्र में माताजी का श्रंगार एवं बाबजी का श्रृंगार का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें प्रतिदिन माता जी का भव्य श्रृंगार किया जा रहा है । शारदीय नवरात्रि महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है । इस शक्तिपीठ पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विशेष आयोजनों का सिलसिला जारी था और यहां हर साल हजारों श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंचते हैं ठा. प्रतापसिंह राठौड़ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, नवरात्रि के दौरान मंदिर में हर दिन मां और देव श्री 1008 श्री शेषावतार कमधज कल्लाजी राठौड़ का पूजन और अभिषेक किया जा रहा है इसके अलावा, गादी के माध्यम से भक्तों के कष्टों का निवारण किया जा रहा है।

मंदिर को विशेष तौर पर सजाया गया है, और नवमी के दिन बुधवार को महायज्ञ का आयोजन हुआ पूर्णाहुति के बाद श्रद्धालु देव श्री और मां के दरबार में दर्शन कर भंडारा महाप्रसादी का आनंद लिया । मां नागणेचा के तीनअलग-अलग स्वरूपों में भक्तों को दर्शन देती हैं।नवरात्रि के दौरान मालवा अंचल के अलावा दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र से भी भक्त यहां मां के दर्शन के लिए आते हैं। श्रद्धालुओं का सहयोग इस आयोजन को सफल बनाने में गादीपति ठा. प्रताप सिंह राठौड़, ठा. हनुमंत सिंह गंगाखेडी, नरेंद्र अग्रवाल दिल्ली, भगत सिंह इटावा मारवाड़, पंकज पुरोहित रतलाम, ठा. के.पी. सिंह घुघरी, ओम प्रकाश पाटीदार आदी सहित समस्त भक्त मंडल का सहयोग रहा। करवड़ के पास रतलाम मार्ग पर गंगाखेड़ी में स्थित यह शक्तिपीठ अपने आध्यात्मिक महत्म्य और श्रद्धालुओं की आस्था के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है।

करवड़

धूमधाम से मना नवरात्रि त्योहार

माही की गूंज, बरवेट।

नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर बरवेट का गरबा पंडाल पिछले 9 दिनों तक भक्ति और उमंग का केंद्र बना रहा। गाँव से लेकर आसपास के क्षेत्र तक श्रद्धालु माता रानी के दरबार में पहुँचे और गरबे की मधुर धुनों पर देर रात तक झूमते रहे। माँ दुर्गा की आराधना करते हुए श्रद्धालुओं ने भक्ति और आनंद का ऐसा संगम रचा, जिसने पूरे क्षेत्र का वातावरण आध्यात्मिक बना दिया।

महोत्सव के दौरान प्रतिदिन माता की झांकी और सजावट देखने लायक रही। रंग-बिरंगे परिधानों में महिलाएँ और युवतियाँ पारंपरिक ताल पर गरबा खेलतीं। तो वहीं पुरुषों और युवाओं का जोश भी देखते ही बनता था। ग्रामीण और शहरी संस्कृति का यह संगम नवरात्रि की महिमा को और भी भव्य बना रहा।

माँ की महाआरती इस आयोजन का विशेष आकर्षण रही। तीनों ज्योतियों ने मिलकर माता रानी की आरती उतारी, जिसमें पूरे पंडाल में एक साथ गूंजते जयकारों ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया। आयोजन की शांति और अनुशासन बनाए रखने में रायपुरिया पुलिस प्रशासन ने अहम भूमिका निभाई। उनकी सतर्कता और सेवाओं से पूरा कार्यक्रम सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। इस आयोजन की सफलता का श्रेय नव दुर्गा उत्सव समिति, बरवेट को जाता है। समिति के सदस्यों ने पूरी निष्ठा, मेहनत और प्रबंधन क्षमता से श्रद्धालुओं को सात दिनों तक गरबे का आनंद और माँ की भक्ति का दिव्य अनुभव कराया। समिति ने न केवल धार्मिक आस्था को सशक्त किया, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक धरोहर को भी जीवंत किया।

मां की आराधना में लीन भक्त

माही की गूंज, भामल।

आदशक्ति माँ अम्बे माँ की आरधना का पर्व नवरात्रि शहर सहित ग्रामीण अंचलो में पुरे उत्साह और धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिर में विराजित माता जी की प्रतिमा की आकर्षक अंग संरचना की जा रही है। गरबा पाण्डालो में विराजित अम्बे माता की प्रतिमा की प्रतिदिन विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ महाआरती की गई। ग्राम में श्री राम मन्दिर नई आबादी, बाजना रोड भामल, वडलीपाडा फंटे आदि जगह नवरात्रि महोत्सव बड़े हर्ष उलास के साथ मनाया गया। माताजी के दरबार में रात भर गरबा खेलने में भीड़ देखी जा सकती है। गरबा उत्सव में माताजी के भजनों के साथ संगीत मय उत्साह के साथ युवक युवतियो द्वारा गरबा रास की प्रस्तुति दर्शको को काफी उत्साह व आकर्षित किया। ग्राम सहित आस-पास रन्नी व परवाड़ा, नरसिंगपाड़ा, रूपारेल, तलावाड़ा, कुकडिपाडा, आदि जगह भी उत्साह के साथ गरबा उत्सव हुए।

भामल

दसवें दिन किया खंभ बड़ा

माही की गूंज , बामनिया।

नगर के दोनों गरबा पांडाल मां अंबिका मंदिर ओर राम मंदिर पर इस वर्ष गरबों की धूम रही । इस बार नवरात्रि दस दिनों की होने से गरबा प्रेमियों को एक दिन का अतिरिक्त आनंद मिला । यहां अंबिका मंदिर पर नवरात्रि के दौरान आकर्षक साज सज्जा के साथ रतलाम की आर्केस्ट्रा और गायक गोविंद गंधर्व और मीना गोयल ने अपनी सुरीली आवाज से बेहतरीन गरबा रास का रंग जमा कर नगर के युवाओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया। यहां बड़ी संख्या में महिला और पुरुषों, युवक युवतियों सहित छोटे छोटे बालक बालिकाओं ने गरबा नृत्य में भाग लिया। गरबा समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र ठाकुर ने बताया कि नवरात्रि के दौरान समस्त जन मानस का अच्छा सहयोग मिला जिससे दसों दिन गरबा रास की धूम रही ओर बारिश के बाद भी किसी का उत्साह कम नहीं हुआ । आयोजन के दसों दिन रात्रि 12.30 बजे महाआरती के अलग अलग भामाशाहों की ओर से महा प्रसादी का आयोजन किया गया। महाष्टमी पर तीन जोड़ों के द्वारा हवन किया गया जिसे पंडित भगवती प्रसाद शर्मा द्वारा पूरा किया गया। वही राम मंदिर पर आयोजित गरबा पांडाल समरसता गरबा के रूप में अपनी बड़ी पहचान बनाता देखा गया , यहां समाज के हर वर्ग ने हिस्सेदारी की जो देखते ही बनाता है यहां विशेष रूप से थाना प्रभारी पेटलावद , प्रभारी तहसीलदार अनिल कुमार बघेल सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने पहुंच कर गरबा रास का आनंद लिया ।

देर रात तक चले गरबा रास के बाद देर रात महाआरती कर अंबिका मंदिर से खंभ बड़ा किया गया ओर जुलूस के माध्यम से अमरगढ़ रोड राम मंदिर पर प्रति वर्ष अनुसार पहुंच कर माताजी ज्वारे अर्पित आरती की गई। राम मंदिर समिति द्वारा ज्वारा विसर्जन अल सुबह अमरगढ़ रोड स्थित पाटडी नदी पर किए गए।

होगा कन्या भोज का आयोजन

नव रात्रि के बाद पूनम पर अंबिका मंदिर पर नवयुवक नव दुर्गा समिति द्वारा कन्या भोज का आयोजन रखा जाएगा जिसमें नगर की समस्त छोटी छोटी बालिकाओं को भोजन करवा कर उनके पैर पूजन का कार्य किया समिति के द्वारा किया जाएगा। जिसके बाद एक बार फिर रात्रि 12 बजे तक गरबों के आयोजन के बाद अमृत वर्षा वाली खीर की महा प्रसादी का वितरण किया जाएगा। अंबिका समिति के रामेश्वर गर्ग ने कहा कि प्रांगण में 09 दिनों तक गरबा रास करने वाली महिलाओं ओर बच्चो को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

बामनिया

राम मंदिर समरसता गरबा उत्सव में झूमते युवक युवतियां

बालिका जन्मोत्सव, शिक्षा व सुरक्षा को लेकर शपथ

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में बालिका लिंगानुपात को बढ़ाने, बालिका जन्म पर उत्सव मनाने, उनकी शिक्षा, सुरक्षा व सर्वांगीण विकास हेतु जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गरबा पंडालों में बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं सेल्फि पॉइंट स्थापित किये गये है। जिसमें गरबा पंडालों में आने वाले बच्चों से लेकर वरिष्ठजन फोटो खींचवा रहे है। साथ ही विभिन्न गरबा पांडालों में शपथ का आयोजन किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास की टीम द्वारा शहर के राजवाडा चौक स्थित गरबा पांडाल में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने संबंधित शपथ दिलवाई गई।

आज शुष्क दिवस घोषित

माही की गूंज, झाबुआ। म.प्र. राजपत्र (असाधारण) 14 फरवरी 2025, कम्पोजिट मदिरा दुकानों की फुटकर बिक्री की दुकानों के निष्पादन व्यवस्था वर्ष 2025-26 के निर्देश के अनुक्रम में कलेक्टर नेहा मीना द्वारा 2 अक्टूबर 2025 गांधी जयंती को झाबुआ जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें और उनसे संलग्न गोदाम, वाईन शॉप एवं मद्यभाण्डागार बंद रखे जाने हेतु शुष्क दिवस घोषित किया जाता है। उक्त शुष्क दिवस पर सम्पूर्ण जिले में मदिरा विक्रय प्रतिबंधित रखा जाए।

इस प्रकार उक्त शुष्क दिवस की अवधि में जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों और उनसे संलग्न गोदाम, वाईन शॉप एवं मद्यभाण्डागार को पूर्णतः बंद रखा जाये एवं मदिरा के व्यक्तिगत भण्डारण पर तथा गैर लायसेंस प्राप्त परिसर में मदिरा के भण्डारण पर सख्ती से रोक लगाई जावे। किसी भी अधिकृत/अनाधिकृत स्थान से मदिरा का क्रय-विक्रय और अवैध परिवहन न हो पाये, यह सुनिश्चित किया जाए। उक्त आदेश का कड़ाई से पालन किया जाए के निर्देश दिए गए।

ब्रिज का कार्य दो माह से बंद, ठेकेदार की लापरवाही ले सकती है जान

सुरक्षा का कोई इंतजाम नही, पानी से भरे गड्ढे दे रहे दुर्घटना को आमंत्रण

माही की गूंज, पेटलावद।

प्रशासनिक लापरवाही कई बार लोगों की जान का कारण बन चुकी है। इसके बाद भी शासन-प्रशासन की नींद हर बार किसी बड़े हादसे के बाद ही खुलती है। बिना मुंडेर वाले कुएं हो या नदी ,तालाब के बीच बने कुएं या बंद पड़े खुले होल कई लोगों की जान ले चुके है। हादसों के बाद प्रशासन जागता है और थोड़े दिन तक इस ओर ध्यान देने के बाद ढाक के तीन पात और नए हादसों ओर इंसानी जान की मौत से खिलवाड़ शुरू।

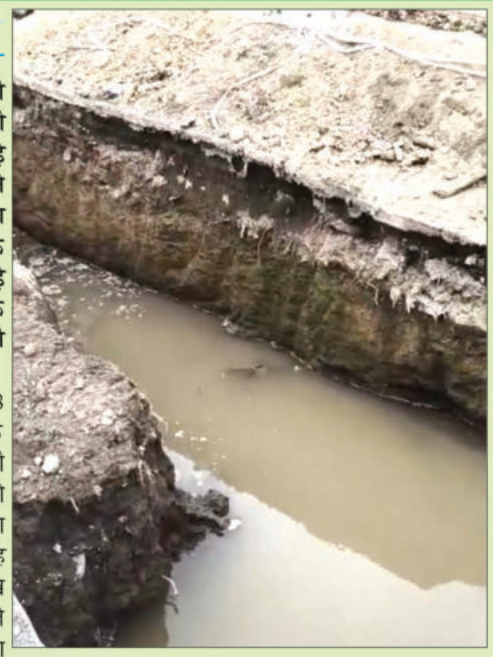

मामला पेटलावद के वार्ड क्रमांक 3 और 8 के बीच बन रहे चार करोड़ से अधिक राशि के ब्रिज निर्माण का है, जहा ठेकेदार की भारी लापरवाही किसी की जान ले सकती है। यू तो ब्रिज का कार्य लंबे समय से जारी है एव निर्माण लगभग पूरा होने को है। फिलहाल करिब दो माह से कार्य बन्द पड़ा है जिसके कारण कार्य की देख रेख नही होने के चलते वर्तमान स्थिति को देखते हुए मौके पर बड़े हादसे को खुला निमंत्रण दिया जा रहा है।

अप्रोच रोड के लिए नहीं बनी दीवार, दे रही हादसे को निमंत्रण

ब्रिज निर्माण का कार्य पूरा होने को है और ब्रिज को दोनों मार्गों से जोड़ कर सड़क बनाने का कार्य बाकी है। ब्रिज के तीन हिस्सों में दीवार बन चुकी है लेकिन रहवासी इलाके के बिल्कुल नजदीक का एक हिस्से का निर्माण बाकी है। ठेकेदार द्वारा उक्त हिस्से में घटिया निर्माण किया जा रहा था जिसकी खबरे माही की गूंज में प्रकाशित होने के बाद घटिया निर्माण विभाग द्वारा तुड़वाया गया था। उक्त निर्माण तोड़ने के बाद से कार्य बन्द पड़ा है और दीवार निर्माण के लिए गहरे गड्ढे किए हुई जो कि, सड़क से लगभग 25 से 30 फिट गहरे है और बारिश के चलते इन गड्ढों में पानी भरा हुआ है। इन गड्ढों के पास की स्थिति देखी जाए तो निर्माण के चलते स्थानीय रहवासियों को इस गड्ढे के पास बनी पगडंडी से गुजरना पड़ता है। छोटे बच्चे भी यहां इन गड्ढों के पास खेलते ओर गुजरते दिखाई दे सकते है।

सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं, लोगो का आना जाना जारी

अधूरे ब्रिज निर्माण के बाद से रहवासियों का यहां से गुजरना जारी है। ब्रिज पर न ही रेलिंग है न ही अधूरे पड़े निर्माण वाले क्षेत्र में सुरक्षा के कोई इंतजाम। ठेकेदार ने गड्ढों से होने वाले हादसों से बचने के लिए मामूली प्लास्टिक की टेप बांध रखी है वो भी कई जगहों से टूट कर खत्म हो गई। ब्रिज के एक ओर तेजाजी महाराज का मंदिर, रहवासी क्षेत्र तो दूसरी ओर सिविल हॉस्पिटल, मलिन बस्ती को जोड़ने वाला मार्ग जहां लोगों का आना-जाना जारी रहता है।

नगर परिषद अध्यक्ष ललिता योगेश गामड़ ने इस संबध में बताया कि, रहवासियों की शिकायत के बाद ठेकेदार को बोल कर कार्य शुरू करवाया था। कार्य अगर बंद है तो इसकी जानकारी लेकर ठेकेदार को कार्य को पूर्ण करने की सूचना करते है। अध्यक्ष ने भी स्वीकार किया अधूरे निर्माण के स्थान पर हादसा होने का खतरा है, जिससे यहां किसी भी हादसे की संभावना बनी हुई है। स्थानीय प्रशासन को इस ओर ध्यान देकर ठेकेदार से निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने के साथ-साथ सुरक्षा के इंतजाम करने की जरूरत है, ताकि कोई हादसा होने से बचा जा सके।

आत्महत्या नहीं प्रेम प्रशंग के चलते हत्या का निकला मामला

दोहरे हत्याकांड का राजफाश, चार आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, झाबुआ।

26 सितंबर को थाना क्षेत्र कल्याणपुरा पुलिस को ग्राम खेड़ा में लिमजी किहोरी के खेत की बांस की झाड़ियों के नीचे एक लड़का और एक लड़की के शव पड़े मिले। दोनों के गले में कपड़े का दुपट्टा बंधा हुआ था। मृतक की पहचान अंकित पिता कान्तु पंडा (उम्र 17 वर्ष) एवं मृतिका की पहचान तोला पुत्री जुवान गामोड़ (उम्र 14 वर्ष), निवासी ग्राम खेड़ा के रूप में हुई। पहली नजर में यह मामला आत्महत्या का लग रहा था। लेकिन मंगलवार को पोस्टमार्टम की रिर्पोट में कपडे से गला घाटेकर हत्या करने की बात सामने आने पर शव को भंदे से निचे उतारने वाली बात कहने वाले परिजन से शंका के आधार पर पुलिस ने पुछताछ की व कॉल डिटेल और परिस्थितिजन्य साक्ष्य खंगाले, तो असलियत सामने आई। पुलिस जानकारी के अनुसार नाबालिक मृतिका तोला पहले किसी अन्य के संपर्क में थी, लेकिन बाद में उसका झुकाव अंकित की तरफहो गया। यह रिश्ते का बदलाव पहले संपर्क में रहे युवक को नागवार गुजरा।

25 सितंबर को अंकित उसकी मोटरसाइकिल लेकर गया था, जिसे लेकर विवाद उठ खड़ा हुआ। उसी दौरान युवक ने अपने जीजा पिन्दु तथा साथी रमसु और दिलीप को उकसाया और गांव में बदनामी की बात कहकर चारों ने गुस्से में अंकित और तोला का गला दुपट्टे से घोंट दिया। इस वारदात के बाद थाना कल्याणपुरा पर अपराध क्रमांक 252/2025 धारा 103(1), 238, 3(5) बी.एन.एस. के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। अनुसंधान पूर्ण होते ही आरोपी नाबालिक बालक (नाम गोपनीय), पिन्दु, ग्राम खेड़ा, रमसु, ग्राम खेड़ा, दिलीप, ग्राम खेड़ा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

इस घटना ने पूरे गांव ओर क्षेत्र को दहला कर रख दिया है। सिर्फरिश्तों में आए बदलाव, जलन और बदनामी की सोच ने दो मासूम जिंदगियां निगल लीं।

51 फीट के रावण के पुतले का होगा दहन , तैयारी में जुटी पंचायत

माही की गूंज , बामनिया।

प्रति वर्ष अनुसार इस बार भी ग्राम पंचायत बामनिया द्वारा दशहरे पर्व रावण का पुतला दहन करने का निर्णय लिया है। मानसून की सक्रियता के चलते इस बार रावण दहन कार्यक्रम को लेकर संशय की स्थिति थी। हालांकि बारिश के आसार अभी भी है लेकिन प्रति वर्ष की परम्परा को देखते ग्राम पंचायत द्वारा इस वर्ष 51 फीट का रावण तैयार किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत की सरपंच रामकन्या मखोड़ ने बताया कि, वर्षों से चली आ रही रावण दहन की परम्परा को जीवित रखने के लिए ग्राम पंचायत कटिबद्ध है और इसको लेकर तैयारिया शुरू हो चुकी है। ग्राम पंचायत द्वारा इस वर्ष भी 51 फीट का रावण तैयार किया जा रहा है जिसका दहन बालक स्कूल ग्राउंड में आज रात 8 बजे किया जाएगा।

आकर्षक आतिश बाजी एव जुलूस की तैयारी

रावण दहन के पूर्व बालक स्कूल मैदान पर आकर्षक आतिशबाजी का भी आयोजन ग्राम पंचायत द्वारा मुख्य रूप से किया जाएगा। साथ ही ग्राम के मुख्य मार्गो से होती हुई भगवान राम , लक्ष्मण , सीता माता की झाकी भव्य जुलूस के माध्यम से निकल कर बालक स्कूल मैदान पहुंचेगी और रावण दहन किया जाएगा। रावण दहन के आयोजन को लेकर ग्राम सहित आसपास के ग्रामीण इलाको से हजारों लोगों की भीड़ जुटती है। वही उक्त आयोजन को लेकर बड़ी बाधा बन सकता है और बारिश के चलते आयोजन का मजा किरकिरा हो सकता है की संभावना जताई जा रही है।

बच्चों की सहूलियत के लिए स्कूल में आने वाली शौचालय की राशि में भी बंदर बाट

माही की गूंज, खवासा।

एक तरफ जहां देश के प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि, मैं शिक्षा के क्षेत्र में कोई कमी नहीं आने दूंगा। राज्य सरकार की ओर से शासकीय शालाओं में कई शासकीय मद से स्कूलो के लिए राशि आवंटित की जाती है। वही समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शासकीय शालाओं में प्रतिवर्ष बजट के माध्यम से लाखों रुपए आवंटित किए जाते हैं। लेकिन ग्रामीण अंचलों में जो राशि आती है मेंटेनेंस की उस राशि मे शिक्षक बंदर बाट कर रहे है। समय पर सतत मॉनेटिंग व निगरानी करने वाले जिम्मेदार अधिकारी भी इसमें मिली भगत करके भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं।

जानकारीनुसार थांदला खण्ड शिक्षा के अंतर्गत आने वाली प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं में छात्र व छात्राओं के लिए समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शौचालय में मेंटेनेंस करने की 20-20 हजार की राशि आवटित की गई थी। लेकिन जो राशि ग्रामीण अंचलों मे आई उसमें भी बंदर बाट हो गई है। जानकारी के अनुसार 1 जुलाई 2025 के पूर्व सभी शाला भवनों में लघु निर्माण विशेष मरम्मत, शौचालय सुधार, शौचालय में रनिंग वाटर, रंगा पुताई व साफ-सफाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन कई स्कूलों में आज भी शौचालय अधूरे पड़े हुए हैं और राशि निकाल ली गई है। और जहां शौचालय में मरम्मत की गई है उसमें उठ के मुंह में जीरे के समान है। प्रत्येक शाला में बालक-बालिकाओं के लिए शौचालय में मरम्मत के साथ नया बनाना था। लेकिन धरातल पर कार्य हुआ ही नहीं और राशि निकाल ली गई है। कुछ ऐसा ही मामला कन्या संकुल खवासा के अंतर्गत आने वाली छोटी संगत (सेमलिया) की प्राथमिक विद्यालय में सामने आया। जहाँ बालक व बालिका की शौचालय की राशि आवनटीत की गई थी। जिसमें दोनों शौचालय की चालीस हजार राशि जारी हुई थी। लेकिन सुत्र अनुसार वहां सिर्फ एक शौचालय में मरम्मत किया गया वह भी मात्र 5000 में मरमत हो गई है बाकी की पूरी राशि इन्होंने अप्रैल माह में ही निकाल ली गई।

लेकिन वहां अभी तक पूरा कार्य नहीं हो पाया तथा बची पुरी राशि की बंदर बाट की गई है। तो वही बड़ी रामगढ़ के प्राथमिक विद्यालय में भी दोनों शौचालय की मरम्मत तो की गई लेकिन वहां पानी की टंकी नहीं लगाई गई। ना ही वहा बेसिंग सुविधा है जिसके कारण वहां बच्चों को शौचालय प्रयोग में नहीं आ रहा है। सिर्फ दोनों जगह छोटे टैंक बनाकर वहा सेट लगाकर छोड़ दिया लेकिन वहां पानी के लिए व नल की कोई व्यवस्था नहीं की गई। ऐसी कई संस्थानों में अनियमिता है। लेकिन विभागीय अधिकारी ग्रामीण अंचल की स्कूलों में निरीक्षण ही नहीं करते हैं। जिसके कारण आने वाली राशि में बंदर बाट की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि, अगर शासन द्वारा राशि जारी की गई वो बच्चों को उपयोग में आनी चाहिए साथ ही शौचालय भी सही से मरमत करना चाहिए। लेकिन यहां तो शिक्षकों ने पैसा निकाल कर अपनी जेब में डाल लिया और धरातल पर काम किया ही नहीं। ग्रामीणों का कहना है कि, इसकी जांच की जाए और तय सीमा में अगर शौचालय की मरम्मत नहीं की गई है तो इनके ऊपर वैधानिक कार्रवाई भी होनी चाहिए।

वही छोटी संगत के प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी शिक्षक गलाराम डामर से जब चर्चा की उन्होंने बताया कि, बारिश के समय से रास्ते में आने जाने के लिए काफी परेशानी थी इस वजह से शौचालय का निर्माण नहीं कर पाए। एक शौचालय का निर्माण कर दिया गया है एक बाकी बहुत ही जल्द उसका भी निर्माण कर दिया जाएगा। जब उनसे कहा गया कि, आपको पहले शौचालय का निर्माण करना था आदेश में तो कई सारी चीज शौचालय में लगानी थी? तो उन्होंने चुप्पी साथ ली और कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

मामले को लेकर समग्र शिक्षा अभियान के सब इंजीनियर जयदीप झाला से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, ग्रामीण अंचलों में जो शौचालय की राशि आई है उनकी सीसी अभी जारी नहीं की गई है, जहां भी अनियमिता हैं उनके ऊपर वैधानिक कार्रवाई के साथ ही शौचालय की मरमत करवाई जाएगी।

भारत की चिंता बढ़ाने वाला सऊदी अरब और पाकिस्तान का रक्षा समझौता

माही की गूंज, झाबुआ।

सदीयों पुराने गहरी मित्रता वाले देशों के बीच नया रक्षा समझौता होना उनके संबंधों की प्रगाढ़ता को स्पष्ट दर्शाता है और उस देश के विचारों के भिन्नता रखने वाले देश को आगाह करता है कि अब उनकी रक्षा रणनीति में बदलाव आ चुका है, इसलिए ही विचारों की भिन्नता रखने वाले उन देशों को पुरानी गहरी मित्रता वाले देशों के ऐसे रक्षा समझौते पर अपनी रणनीति सीमाओं का सावधानीपूर्वक आकलन करना आवश्यक हो जाएगा, क्योंकि समझौते के अनुरुप दोनों देश एक है जब किसी एक देश पर आक्रमण होगा तो उस आक्रमण को दोनों देश पर आक्रमण माना जाएगा।

17 सितंबर को सऊदी अरब और पाकिस्तान ने एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते (एसडीएमए) पर हस्ताक्षर किए, इस रक्षा समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलु इसकी प्रतिबद्धता है जो यह दर्शाती है कि, यदी किसी भी देश पर हमला हुआ तो उसे दोनों देशों पर आक्रमण माना जाएगा। अब इस समझौते की प्रकृति को देखा जाए तो यह नाटो जैसा सामरिक गठबंधन दिखाई दे रहा है। इससे माना जा रहा है कि, खाड़ी देशों के लिए सुरक्षा से जुड़े जोखिम और इजरायल से जुड़े खतरे ने सऊदी अरब को रक्षा समझौते के विषय में इस दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया तो पाकिस्तान की ऐसी कोई भी सोच जो हमेशा भारत केंद्रीत होती है। ऑपरेशन सिंदुर के बाद से ही पाकिस्तान अपने नए समीकरण नए तरिके से तय करने में जुटा हुआ है, और माना जा रहा है उसी दिशा में यह रक्षा समझौता उसी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। अब चूंकी बीते कुछ समय से भारत ने सऊदी अरब के साथ संबंधो को प्रगाढ़ बनाने के लिए काफी कुछ निवेश किया है, इसलिए इस समझौते के निहितार्थ को समझना भी आवश्यक है।

इतिहास के पन्ने पलटकर देखे तो पता चलता है कि, सऊदी अरब और पाकिस्तान के संबंधों की जड़े शक्तिशाली होने के साथ-साथ बहुत गहरी और पुरानी भी है। इतनी पुरानी कि जब पाकिस्तान निर्माण की तैयारियां शुरु हो चुकी थी तब से सऊदी अरब ने पहले से ही उसका समर्थन शुरु कर दिया था। सन् 1946 में संयुक्त राष्ट्र के मंच पर प्रिंस फैसल ने मुस्लिम लीग की पाकिस्तान परियोजना की पैरवी की थी और तो और सऊदी अरब पाकिस्तान को संप्रभू देश की मान्यता देने वाले देशों में से एक था। 1960 के समय सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान ने कहा था कि पाकिस्तान हमारा सबसे परम मित्र है और हमें जब भी सैन्य सहायता की आवश्यकता होती है तो एक पाकिस्तान ही ऐसा देश है जिस पर सऊदी अरब सबसे अधिक विश्वास कर सकता है।

इन सब में इजरायल का भी पहलु महत्वपूर्ण है, उनके बीच पहले औपचारिक समझौता 1967 में हुआ था। इसमें पाकिस्तान के सैन्य सलाहकारों ने सऊदी अरब के सशस्त्र बलों के विस्तार और उनके आधुनिकीकरण में भरपूर सहायता की थी। जिसके फलस्वरुप सऊदी अरब ने भारत के विरुद्ध युद्धों में पाकिस्तान की सहायता और समर्थन कर उस कर्ज को चुकाया। वहीं भारत के अहम और अति महत्वपूर्ण कश्मीर मुद्दे पर सऊदी अरब पाकिस्तान के पीछे खड़ा रहा। साथ ही साथ 1965 के युद्ध में सऊदी अरब ने पाकिस्तान को न केवल विभिन्न प्रकार की सामग्री उपलब्ध करवाई बल्की कूटनीतिक आड़ और हर संभंव सहयोग दिया। सन् 1971 के युद्ध और बांग्लादेश संकट के समय भी इसी प्रकार का रवैया सऊदी अरब का रहा। उस समय भारत की कार्रवाइयों को निशाना बनाते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा में सऊदी अरब राजदूत ने कहा था कि पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में कोई भी बाहरी हस्तक्षेप यूएन चार्टर का उल्लंघन होगा। कश्मीर में पाकिस्तान की नापाक हरकतों के सामने सऊदी अरब मौन रहा उल्टा उसने भारत पर शांतिपूर्ण समाधान के लिए दबाव बनाया। परंतु ध्यान रखने योग्य बात यह है कि जब भारत आर्थिक प्रगति की दिशा में चार गुना तेजी से बढ़ रहा है और धारा 370 हटाई गई थी तब सऊदी अरब ने तटस्थ रुख अपनाया था, क्योंकि सऊदी अरब को भारत की बढ़ती आर्थिक स्थिती का लाभ उठाना मिल रहा था।

सऊदी अरब और पाकिस्तान का यह रक्षा समझौता पाकिस्तान को राहत देने वाला होगा क्योंकि पाकिस्तान वर्तमान में बेहद मुश्किल हालातों से गुजर रहा है ऐसे समय सऊदी से मिलने वाली आर्थिक वित्तिय सहायता से पाकिस्तान मुस्लिम जगत से जुड़े भू राजनीतिक ढ़ाचे में वह अपने कद को बढ़ाने का प्रयास भी करेगा। इसी के साथ चीन और खाड़ी देशों के मध्य बिचौलिये की भूमिका भी निभाएगा।

अब तक की स्थिती से यह स्पष्ट हो चूका है कि, पाकिस्तान पहले से बहुत गहरे और परम मित्र है जो समय-समय पर एक दूसरे की सहायता करते आऐ हैं, और आगे भी करेंगे। सऊदी अरब पाकिस्तान की पूरी सहयता करेगा तो उससे मदद भी पूरी ही लेगा। सऊदी अपनी सैन्य शक्ति को समाप्त होने नहीं देना चाहता, और इसलिए जब भी कभी कोई आक्रमण हुआ तो वह पाकिस्तान की सेना को आगे कर देगा। सम्भव है उसे पाकिस्तान के परमाणु बम का भी सहयोग प्राप्त हो और यह भी हो सकता है कि वह स्वयं का बम बनाना चाहता हो।

इस रक्षा समझौते की विशेषता पर गौर किया जाए तो यह स्पष्ट होता है कि सऊदी अरब की मंशा ईरान और इजरायल के विरोध में अपनी ढाल को शक्तिशाली करना है। वहीं पाकिस्तान भारत देश की बढ़ती शक्ति और उसके विकास के साथ भारत के प्रभाव की काट चाहता है।

रिंकेश बैरागी

रक्षा समझौते की गहराई और उसके रहस्य को समझे तो भारत को इस समझौते से हानि हो सकती है। भविष्य में पाकिस्तान के साथ किसी भी संघर्ष में भारत को खाड़ी देशों को लेकर सतर्क रहना होगा। इसकी आशंका बढ़ती हुई इस रक्षा समझौते दिखाई दे रही है। जब भविष्य में भारत का किसी भी बात को लेकर पाकिस्तान से संघर्ष होगा तो उन खाड़ी देशों की भूमिका बढ़ सकती है और पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारत को मजबूती दिखानी होगी।

हालांकि इस समझौते पर भारत ने अपनी सधी हुई प्रकिया में उम्मीद के साथ यही कहा है कि, सऊदी अरब भारत की संवेदनाओं को समझेगा और भारत ने यह भी दोहराया है कि राष्ट्रीय हित और सुरक्षा उसकी प्राथमिकता है जिसके लिए कोई समझौता नही किया जाएगा।

बहरहाल भारत अपनी राजनीतिक, समाजिक और आर्थिक शक्तियों के साथ आगे बढ़ रहा है जिसे कोई भी देश पचा नहीं पा रहा है। फिर भी ऐसे समझौते भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि सऊदी अरब और पाकिस्तान के रक्षा समझौते ने दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया के बीच भू-राजनीतिक परिवर्तन के लिए एक दिशा निर्धारित की है। अब भारत को सहयोग की संभावित सीमाओ और विस्तार का

संपादकीय

बिश्नौई गैंग पर कार्रवाई

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल, यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफाइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है, इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है।

हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी। सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दर्शाता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है। निस्संदेह, देर-सवेर इस ज़ीरो टॉरलेंस की नीति से भारत को अपने आंतरिक सुरक्षा प्रयासों को भी मजबूती देने में मदद मिलेगी। भारत लंबे समय से कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाले अलगाववादी संगठनों व व्यक्तियों के खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करता रहा है। बिश्नोई गैंग के खिलाफ ताजा कार्रवाई से अब उम्मीद जगी है कि देर-सवेर कनाडा सरकार भारत की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए इन संगठनों पर कार्रवाई करेगी, जो भारत के खिलाफ लगातार विषवमन करते रहे हैं और भारत विरोधी अभियानों का वित्तीय पोषण करते रहे हैं।

हार-जीत के फेर में खेल भावना भी जीते

भारत एक बार फिर एशिया में क्रिकेट का बादशाह बन गया है। दुबई में खेले गए एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर प्रमाणित की है। हमारे खिलाड़ियों ने जिस तरह अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, उसकी प्रशंसा होनी ही चाहिए। लेकिन चर्चा में सिर्फ क्रिकेटर नहीं हैं, सच तो यह है कि चर्चा क्रिकेट की नहीं, भारत और पाकिस्तान के रिश्तों की ज़्यादा हो रही है। जिस तरह पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारे खिलाड़ियों ने पाकिस्तान की टीम से हाथ नहीं मिलाया और फिर जिस तरह फाइनल मुकाबले में जीत के बाद हमने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष के हाथों ट्रॉफी ग्रहण न करने का निर्णय लिया, वह दोनों देशों में ही नहीं, पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। क्रिकेट के इतिहास में शायद ही पहले कभी ऐसा हुआ हो कि विजेता टीम ने हारी हुई टीम के देश के राजनेता के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया हो, और वह राजनेता ट्रॉफी और खिलाड़ियों के पदक उठाकर चलता बना हो!

आज नहीं तो कल वह ट्रॉफी तो भारत को मिल ही जाएगीकृऔर यदि नहीं भी मिलती है तो इससे भारत की विजय का तथ्य और महत्व किसी भी तरह से कम नहीं होता। पाकिस्तान की इस हरकत पर हैरानी भी होती है और हंसी भी आती है। बहरहाल, इस प्रकरण पर देश में चर्चा होना स्वाभाविक है और चर्चा हो भी रही है। जहां एक ओर भारतीय खिलाड़ियों के दमखम की प्रशंसा हो रही है, वहीं दूसरी ओर देश में एक तबका ऐसा भी है जो मानता है कि भारतीय टीम को पाकिस्तान के साथ क्रिकेट के मुकाबले में उतरना ही नहीं चाहिए था।

पहलगाम में पाकिस्तान के इशारे परकृया कहना चाहिए, पाकिस्तान द्वाराकृ जो कुछ हुआ, दुनिया में कोई भी विवेकशील व्यक्ति उसका समर्थन नहीं कर सकता। जिस तरह धर्म पूछ-पूछकर आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर गोलियां चलाईं, उसे नृशंसता का निकृष्टतम उदाहरण ही कहा जा सकता है। हमने अपने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान और सारी दुनिया को यह बता दिया कि मनुष्यता के प्रति इस तरह के अपराध को कोई भी सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता। हमने यह कहना भी ज़रूरी समझा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ स्थगित किया गया है।

दुबई में हमारे खिलाड़ियों ने जिस तरह का कदम उठाया है, उसे 'ऑपरेशन सिंदूर' की ही एक कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। हाथ न मिलाने या पाकिस्तानी मंत्री के हाथों ट्रॉफी न लेने का यह निर्णय सिर्फ खिलाड़ियों का नहीं हो सकता; भारतीय क्रिकेट अधिकारियों और भारत सरकार की सहमति से ही यह कार्रवाई की गई होगी।

आतंकवाद के संदर्भ में पाकिस्तान की भूमिका को देखते हुए यह सही भी लगता है कि उसे हर कदम पर यह अहसास दिलाया जाए कि वह ग़लत कर रहा है। लेकिन सवाल यह भी उठता है कि पाकिस्तान से हाथ न मिलाकर अथवा ट्रॉफी स्वीकार न करने से बेहतर यह नहीं होता कि हम पाकिस्तान के साथ खेलने से ही इनकार कर देते? यह सही है कि ऐसी स्थिति में हमें एशिया कप के मुकाबले से बाहर भी होना पड़ सकता था, परंतु अपना विरोध और गुस्सा प्रकट करने का वह अधिक कारगर उपाय होता। ऐसा सोचने वालों का कहना है कि आधे-अधूरे विरोध से बेहतर होता कि विरोध पूरा होता।

यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में एक तबका ऐसा भी है जिसने भारत-पाक क्रिकेट मैच को टी.वी. पर न देखने का आह्वान किया था। इस तबके का मानना है कि यदि विरोध होना है, तो वह पूरी दृढ़ता से होना चाहिए।

बहरहाल, ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान की अमानुषिक हरकतों को अनदेखा किया जाए। पाकिस्तान को यह अहसास कराया जाना ज़रूरी है कि आतंकवाद को बढ़ावा देकर वह समूची मनुष्यता के विरुद्ध कार्रवाई कर रहा है। इस तथ्य को भी नहीं भुलाया जा सकता कि आज दुनिया भर में मनुष्यता के ख़िलाफ़ गतिविधियां जारी हैं। चाहे फलस्तीन पर इस्राइल का हमला हो या फिर यूक्रेन के ख़िलाफ़ रूस की कार्रवाई, ये सब इस बात के उदाहरण हैं कि देशभक्ति के नाम पर मनुष्यता को कलंकित किया जा रहा है। ऐसी सभी गतिविधियों का विरोध होना ही चाहिए।

दुनिया को युद्ध की आग में झोंकने के लिए तैयार बैठे देशों को यह अहसास कराया जाना ज़रूरी है कि एटम बम जैसा कोई भी हथियार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। 'युद्ध नहीं, बुद्ध'कृ यही मनुष्यता की ज़रूरत है। मनुष्यता की रक्षा बुद्ध की सोच ही कर सकती है, युद्ध की विभीषिका नहीं। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैकृ यही बात भीष्म ने महाभारत की समाप्ति पर समझानी चाही थी। एक-दूसरे का हाथ झटक कर नहीं, हाथ मिलाकर ही उचित समाधान निकाला जा सकता है।

भारत के संदर्भ में पाकिस्तान जिस तरह की सोच पाले हुए है, या जिस तरह का व्यवहार कर रहा है, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता। लेकिन इस तथ्य को भी नहीं भुलाया जा सकता कि पाकिस्तान हमारा पड़ोसी है; हम चाहकर भी अपने पड़ोसी को नहीं बदल सकते। इसलिए ज़रूरी है कि पड़ोसी के विचार बदलने की कोशिश की जाए। उसे यह समझाने की आवश्यकता है कि युद्ध और बदले से कोई समाधान नहीं निकलता। बर्बरता, मनुष्यता का नकार है। मनुष्यता का तकाज़ा है कि आदमी और आदमी के बीच के रिश्ते सुधारने की कोशिश लगातार होती रहे। खेल इस कोशिश का एक प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

विश्वनाथ सचदेव

'खेल भावना' का मतलब ही प्रतिद्वंद्वी के प्रति सम्मान का भाव होता है। प्रतिद्वंद्वी दुश्मन नहीं होता। हार और जीत को गरिमा से स्वीकार करके ही हम खेल भावना के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट कर सकते हैं। इसी खेल भावना का तकाज़ा है कि खेल को सिर्फ खेल के रूप में स्वीकार किया जाए। यह भी समझा जाना ज़रूरी है कि जीतने वाले को हारने वाले से कहीं अधिक विनम्र बने रहने की आवश्यकता होती है।

पाकिस्तान के अपराधों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता, पर दो पड़ोसियों के बीच बेहतर रिश्तों की आवश्यकता को भी समझा जाना उतना ही ज़रूरी है। यह सही है कि यह बात पाकिस्तान को भी समझनी होगीकृऔर सच तो यह है कि उसे यह बात और ज़्यादा समझने की ज़रूरत है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अंततः खेल भावना ही जीतेगी। यह काम अपने आप नहीं होगा। दोनों पक्षों को सही दिशा में कदम बढ़ाने की ज़रूरत है। सवाल खेल में हार-जीत का नहीं, बल्कि हार-जीत को खेल की भावना से स्वीकारने का है।

सुना है कि पाकिस्तानी खिलाड़ी हारिस राउफ़ की पत्नी ने एक मैच के बाद भारतीय कप्तान के पास जाकर अपने पति के व्यवहार के लिए क्षमा मांगी थी, और प्रत्युत्तर में सूर्यकुमार यादव ने उन्हें माफ़ भी कर दिया! यही है असली खेल भावनाकृजो खेल की ही नहीं, जीवन की भी ज़रूरत है।

आईटी पेशेवरों के लिए चुनौतियों में नए अवसर

अमेरिका हमेशा से भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। विशेषकर 1990 के दशक के बाद, जब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने भारत में तेजी से विकास करना शुरू किया, तब से लाखों भारतीय इंजीनियर, प्रोग्रामर और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ एच-1बी वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर काम करते रहे हैं। अमेरिकी कंपनियां भारतीय आईटी टैलेंट को इसलिए पसंद करती थीं क्योंकि वे योग्य, मेहनती और अपेक्षाकृत सस्ते संसाधन उपलब्ध कराते थे। इसी कारण भारतीय आईटी उद्योग की कमाई का बड़ा हिस्सा लंबे समय तक अमेरिकी बाजार पर निर्भर रहा।

लेकिन यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एच-1बी वीज़ा की फीस को बढ़ाकर 1 लाख डॉलर कर देते हैं, तो इसका असर सीधा-सीधा भारतीय आईटी उद्योग और पेशेवरों पर देखने को मिलेगा। एच-1बी वीज़ा वह माध्यम है जिसके ज़रिये अमेरिका हर साल हजारों विदेशी तकनीकी विशेषज्ञों को नौकरी के लिए अनुमति देता है। इनमें सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की होती है। भारतीय कंपनियां जैसे इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल आदि हर साल हजारों कर्मचारियों को इसी वीज़ा के जरिए अमेरिका भेजती रही हैं। इसकी फीस अचानक 1 लाख डॉलर करने से यह लागत कंपनियों और कर्मचारियों दोनों के लिए असहनीय हो जाएगी। भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी प्रोजेक्ट्स पर काम करने का खर्च बहुत बढ़ जाएगा और वे उतनी आसानी से भारतीय कर्मचारियों को अमेरिका भेज नहीं पाएंगी।

लागत में वृद्धि के कारण अमेरिकी क्लाइंट्स को सेवा देने पर भारतीय कंपनियों का मुनाफ़ा कम हो जाएगा, जिससे उनके कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित होगी। स्थानीय नियुक्तियों में वृद्धि के परिणामस्वरूप भारतीय कंपनियों को मजबूरन अमेरिका में स्थानीय लोगों को नौकरी देनी पड़ेगी, जिससे भारत से बाहर जाने वाले अवसर कम होंगे। इन परिस्थितियों में व्यवसाय मॉडल में बदलाव आएगाकृ ऑफशोरिंग और रिमोट वर्किंग को और बढ़ावा मिलेगा और कंपनियां अमेरिका के क्लाइंट्स का काम भारत से ही संभालने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। परिणामतः अमेरिका जाकर करियर बनाने का लाखों भारतीय इंजीनियरों का सपना कठिन हो जाएगा क्योंकि बढ़ी हुई फीस ने उसकी संभावना घटा दी है। जब बाहर जाना संभव न हो, तब भारतीय प्रतिभा अपनी तलाश भारत के भीतर करेगी; इससे घरेलू स्टार्टअप्स, आईटी कंपनियों और रिसर्च संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन उपलब्ध होगा।

लंबे समय से चल रहे ब्रेन-ड्रेन में भी कमी आएगी कृ बाहर प्रतिभाशाली युवाओं का पलायन घटने से भारत को अपने ही लोगों की सेवाएं मिलेंगी। यह बदलाव धीरे-धीरे ब्रेन-ड्रेन से ब्रेन-गेन की ओर ले जा सकता है। भारत जैसे विकासशील देश की एक बड़ी समस्या यह रही कि उसने अपने युवाओं को उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण देकर तैयार तो किया, पर वे विदेश जाकर अपनी सेवाएं देने लगे; अब यदि यह प्रवृत्ति उलटती है तो देश को वह लाभ मिलने लगेगा जो पहले नहीं मिल पाया था।

इससे स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी। जब योग्य इंजीनियर भारत में ही रहेंगे, तो वे नई कंपनियां शुरू करने और नवाचार करने में योगदान देंगे। रिसर्च और इनोवेशन में वृद्धि होगी। प्रतिभाशाली दिमाग यहां रहेंगे तो नए-नए शोध और तकनीकी आविष्कार होंगे।

दुनिया भर की कंपनियां पहले अमेरिका पर निर्भर थीं। अब वे भारत में ही अपनी यूनिट्स और डेवलपमेंट सेंटर्स स्थापित करने को प्रेरित होंगी। आईटी हब के रूप में भारत की पहचान बनेगी। यदि आईटी उद्योग का विस्तार भारत में ही होगा, तो लाखों युवाओं को रोजगार यहीं उपलब्ध होगा। निवेशक कंपनियां जानेंगी कि भारत में टैलेंट उपलब्ध है और अमेरिका जाना मुश्किल है, इसलिए वे सीधे भारत में निवेश करना शुरू करेंगी।

हालांकि इससे भारत को अनेक फायदे होंगे, लेकिन कुछ चुनौतियां भी सामने आएंगी। भारतीय कंपनियों को अल्पकाल में नुकसान उठाना पड़ेगा। अमेरिका से मिलने वाला राजस्व घट सकता है। प्रतिस्पर्धा के कारण घरेलू कंपनियों पर दबाव बढ़ेगा। भारत को अपनी आधारभूत संरचना, अनुसंधान और नवाचार के लिए माहौल मजबूत करना होगा, ताकि टैलेंट का सही उपयोग हो सके।

डॉ. शशांक द्विवेदी

अल्पकाल में भले ही आईटी कंपनियों को कठिनाई हो, लेकिन दीर्घकाल में यह भारत के लिए वरदान साबित हो सकता है। अब तक जो टैलेंट विदेश जाकर काम करता था, वही भारत के डिजिटल परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और नई तकनीकों के विकास में योगदान देगा। अगर भारत का युवा वर्ग यहीं रहकर काम करता है, तो भारत न केवल आईटी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की भूमिका भी निभा सकेगा।

ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा फीस को 1 लाख डॉलर करने का कदम अल्पकाल में भारतीय आईटी उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लेकिन इसका एक सकारात्मक पहलू भी है दृ भारतीय टैलेंट भारत में ही रुकेगा, जिससे ब्रेन ड्रेन कम होगा और देश को अपने ही युवाओं की क्षमता का लाभ मिलेगा। यदि भारत अपनी नीतियों और इंफ्रास्ट्रक्चर को सही दिशा में आगे बढ़ाए, तो आने वाले वर्षों में यही कदम भारत की डिजिटल शक्ति को नई ऊंचाई तक पहुंचा सकता है।

बिहार को विशेष महत्व के यक्ष प्रश्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार की 75 लाख महिलाओं को भेजी 10-10 हज़ार रुपये की राशि उस दिन खाते में पहुंची जिस रोज पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र में भाजपा शासित केंद्र से 20,000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की मांग की गई, जोकि बाढ़ प्रभावित लोगों को दी जाने वाली मदद की भरपाई के लिए अत्यंत जरूरी है। प्रधानमंत्री द्वारा बिहार की महिलाओं को दी एकमुश्त उदार राशि 7,500 करोड़ रुपये की है। इसकी तुलना 1,600 करोड़ रुपये वाले उस राहत पैकेज से करें जिसका वादा प्रधानमंत्री ने लगभग तीन हफ्ते पहले पंजाब दौरे पर किया था। तब भाजपा सूत्रों का कहना था कि यह तो सिर्फ़ पहली राहत किश्त है, और ज्यादा राशि प्राप्त करने से पहले पंजाब को पहले अपनी ओर से भी काम कर दिखाना होगा, लेकिन बिहार पैकेज के बारे में ऐसे कोई सवाल नहीं पूछे जा रहे हैं। दरअसल, कोई यह सवाल नहीं कर रहा कि अव्वल तो प्रधानमंत्री बिहार की असाधारण महिलाओं को इतनी बड़ी रकम भेज क्यों रहे हैं? कुछ प्रश्न हैं-

क्या बिहार में बाढ़ आई है जिससे लगभग चार लाख एकड़ में खड़ी धान की फसल बर्बाद हो गई है? क्या कुछ सौ पशु, गायें और भैंसें, जो राज्य की डेयरी सहकारी समितियों और इस कृषि प्रधान राज्य के परिवारों की रीढ़ हैं, लापता हो गए हैं? क्या घर बह गए हैं, स्कूल बेहद क्षतिग्रस्त हो गए हैं, खेत कीचड़-मिट्टी से अट गए हैं, जिन्हें अब ट्रैक्टरों व जेसीबी से साफ़ किया जा रहा है? क्या अंतर्राष्ट्रीय सीमा, जो भारत को पाकिस्तान से जुदा करती है, उस पर बनी बाड़-बिहार में भी नेपाल से लगती एक सीमा है, लेकिन वह खुली है, यानी वहां कोई कांटेदार तार नहीं है - वह बह गई है।

जाहिर है, प्रधानमंत्री की उदारता का कारण है - बिहार में नवंबर में होने वाले चुनाव। बिहार की 6.3 करोड़ महिलाओं पर उनके ध्यान का केंद्र बनने की वजह भी साफ़ है - हर परिवार से एक योग्य महिला अपनी पसंद का रोज़गार शुरू करने के लिए आवेदन कर सकती है, और अगर उसका आवेदन स्वीकृत हो जाता है, तो राशि 2 लाख रुपये तक हो सकती है। प्रधानमंत्री को उम्मीद है कि बिहार की महिलाएं, उनके लिए एक 'महिला' मतदाता वर्ग है, जो जाति-पांति से ऊपर उठकर, भाजपा को दिल खोलकर वोट देगा, ठीक वैसे ही जैसा कि देश के बाकी हिस्सों में होने लगा है।

ज़ाहिर है, बिहार के बारे में कुछ तो ख़ास है। वैसे भी कहावत है- 'समझदार को इशारा काफी है'। हालांकि पंजाब में भाजपा बाढ़ प्रभावितों की मदद करने में वाकई काफी प्रयास कर रही है -राज्य भर के डेरी सहकारी क्षेत्र के अलावा, ख़ासकर पाकिस्तान की सीमा से लगे छह ज़िलों में गुम हुए दुधारू पशुओं की एवज में नए सिरे से ऋण दिलवाने में सहायता करने में - पार्टी यह भी जानती है कि केंद्र के ख़िलाफ़ पंजाबियों की बढ़ती नाराज़गी दूर करने को अभी बहुत कुछ करना होगा।

कई मायनों में, यह पंजाब के लिए निर्णायक क्षण है। अगर आप छोटे या बड़े स्तर की मदद कर रहे हैं, तो आपकी गिनती होगी। अगर आप नहीं करेंगे, तो जाहिर है नज़रअंदाज रहेंगे। इसीलिए कांग्रेस को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। बाढ़ से पहले, सड़कों पर सामान्य नागरिक आपको बताता था कैसे वह सत्तारूढ़ 'आप' से तंग आ चुका है और 2027 के चुनावों में उसे सबक सिखाएगा, ठीक वैसे ही जैसे उसने 2022 में कांग्रेस को पाठ पढ़ाया और आम आदमी पार्टी के 92 विधायकों को जिताकर भारी-भरकम बहुमत दिया।

दरअसल, लोग कहने लगे थे कि अगर आज पंजाब में चुनाव हो जाएं, तो कोई हैरानी नहीं कि अंदरूनी लड़ाई में उलझे कांग्रेसी आपस में भिड़ जाते - राज्य इकाई में मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं। लेकिन, बाढ़ के बाद की कहानी एकदम अलग है। अजनाला से कुलदीप धालीवाल जैसे कुछ 'आप' विधायकों ने जिस तरह से अपने साथी पंजाबियों की मदद की है, वह हैरान करने वाला है। हालांकि कुछ अन्य 'आप' विधायकों ने शायद ही कोई हाथ-पैर चलाए हों। कांग्रेस इस मामले में बेहद ढीली रही, हालांकि राहुल गांधी कुछ घंटों के लिए आए, गाद भरे खेतों में ट्रैक्टर चलाया और बाढ़ में अपनी साइकिल गंवा चुके एक छोटे बच्चे को गले लगाया (बाद में पार्टी ने उस लड़के को एक नई साइकिल भेंट की।)

इस सबके आलोक में, प्रधानमंत्री मोदी की पंजाब बाढ़ राहत की तुच्छ घोषणा को राज्य एवं केंद्र के बीच स्पष्ट अविश्वास के रूप में देखा जाना चाहिए। इसकी तुलना बिहार में दिखाई दरियादिली से करें। कुछ अनुदार लोग कह सकते हैं कि बिहार पर प्रधानमंत्री की मेहरबानी राज्य में चुनावों की घोषणा से ठीक पहले आई है, इससे पहले कि आदर्श आचार संहिता लागू हो। कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि वह खुद और भाजपा कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं - वर्तमान मुख्यमंत्री और भाजपा के सहयोगी नीतीश कुमार अस्वस्थ हैं, अबकी बार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, इसलिए भाजपा का जादू हर हाल में चलना ही चाहिए। जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर की स्थिति बिहार की राजनीतिक बिसात में अप्रत्याशित हो, लेकिन भाजपा के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर उनका हमला कम घातक नहीं है।

जो भी है। सच तो यह है कि पिछले कई दशकों से जाति आधारित पारंपरिक चुनावी समीकरण को बदलने में पीएम मोदी कामयाब रहे हैं - उन्होंने उज्ज्वला योजना और लखपति दीदी योजना जैसी योजनाओं को आकार देकर सचमुच एक प्रतिबद्ध 'महिला मतदाता वर्ग' तैयार कर लिया है। चुनाव वाले राज्यों में भाजपा ने खुलकर कई किस्म की रेवड़ियों से महिला मतदाताओं को लुभाया - हरियाणा में लाडो लक्ष्मी, महाराष्ट्र में लड़की बहन, मध्य प्रदेश में लाडली बहना, दिल्ली में महिला समृद्धि योजना और छत्तीसगढ़ में महतारी वंदना।

2019 के आम चुनाव में, पहली बार, महिलाएं मतदान करने में पुरुषों से आगे निकलीं - 67.18 फीसदी बनाम 67.02 फीसदी - जबकि 1952 में हुए पहले आम चुनाव में, पुरुष मतदाता 63 फीसदी तो महिलाएं 47 फीसदी थी - और एक्सिसमाईंडिया का एक चुनावी सर्वेक्षण दर्शाता है कि 44 फीसदी पुरुषों की तुलना में 46 फीसदी महिलाओं ने मोदी को वोट दिया। ढर्रे की राजनीति से बंधे नेताओं के लिए, यह खबर और भी बदतर है-प्रथम, एक्सिसमाईंडिया ने उत्तर प्रदेश (2022) और मध्य प्रदेश (2023) के चुनावों में पाया था कि अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में महिलाओं ने भाजपा को अधिक वोट डाले। द्वितीय, जहां भाजपा-समर्थक घरों की 73 फीसदी महिलाओं ने कहा कि उन्होंने भाजपा के पक्ष में मतदान किया वहीं आश्चर्यजनक यह कि रिवायती तौर पर कांग्रेस-समर्थक रहे घरों में भी 25 फीसदी महिलाएं भाजपा समर्थक बनी बताई गई हैं। इस लहर की आहट को सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भांपा था, हालांकि यह एक विवादास्पद प्रश्न है कि वे प्राप्त हुए आंकड़ों के खजाने के साथ कर क्या रहे हैं - उनके 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में केवल सात महिलाएं हैं, जिसमें दो कैबिनेट स्तरीय हैं, निर्मला सीतारमण और अन्नपूर्णा देवी। (वर्तमान लोकसभा में केवल 74 महिला सांसद हैं, जो पिछली लोकसभा से चार कम हैं।) अब कहा जा रहा है कि संसद में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण देने वाला 2023 का कानून 2029 के चुनावों में लागू किया जाएगा, लेकिन फिर पूर्ण परिसीमन होने के बाद, जिससे देश में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ने की संभावना है, स्थिति फिर क्या होगी।

ज्योति मल्होत्रा

बात वापस बिहार की करें तो राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण चुनाव प्रक्रिया चली हुई है। राजनीतिक दल अपनी ओर से बेहतरीन पेश कर रहे हैं। और प्रधानमंत्री मोदी ने अपना 'ब्रह्मास्त्र' चला दिया है। अंत में, इतना कहना काफी है कि देश के बाकी हिस्सों की तरह पंजाब घटनाक्रम को और भी करीब से देखेगा।

नहा रही महिला के बाथरूम तक पहुंच गया भाजपा नेता

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष और जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगवतीलाल सूरावत पर छेड़छाड़ का गंभीर आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

महिला का आरोप है कि भाजपा नेता बाथरूम तक पहुंच गया और अश्लील हरकत करने लगा। महिला के चिल्लाने पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, तब भगवतीलाल ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामले दर्ज कर लिया और आगे की कार्रवाई कर रही है।

पूरा मामला जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र का है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि 28 सितंबर को शाम लगभग 4 बजे, जब वह बाथरूम में नहाने गई थी और दरवाजा स्वास्थ्य कारणों से खुला था, तब भगवतीलाल सूरावत उसके पास आए और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। महिला के चिल्लाने पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, तब भगवतीलाल ने उन्हें जान से

मारने की धमकी भी दी।

भगवतीलाल ने आरोपों की किया खारिज

आरोपी भगवतीलाल सूरावत इस मामले में सफाई देते हुए आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा है कि यह पूरा विवाद जमीन के सन्दर्भ में चल रहे झगड़े का नतीजा है। भगवतीलाल ने बताया कि विवाद के कारण 29 सितंबर को सीमांकन होना था, लेकिन महिला ने एक दिन पहले 28 सितंबर को झूठे आरोप लगाकर माहौल बिगाड़ दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उसी दिन उन्होंने डायल 112 पर कॉल कर थाना प्रभारी को सूचित किया था, लेकिन पुलिस ने उनकी बात पर कोई कार्रवाई नहीं की और महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। मंदसौर के पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जाएगी और यदि आवश्यक हुआ तो दोनों पक्षों से पूछताछ कर उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की निष्पक्ष जांच कर सच सामने लाने का आश्वासन दे रही है।

आज पूरे देश में होगा रावण दहन लेकिन इन जगहों पर नहीं

माही की गूंज, मंदसौर।

पंचांग के अनुसार, दशहरा (दशहरा 2025) हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व गुरुवार, 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन विभिन्न स्थानों पर मेले लगते हैं और रावण के साथ रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले जलाए जाते हैं।

हालाँकि, कुछ स्थान ऐसे भी हैं जहाँ रावण की पूजा की जाती है। यहाँ दहन वर्जित मध्य प्रदेश के मंदसौर में दशहरे पर रावण दहन नहीं किया जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मंदसौर, जिसे पहले दशपुर के नाम से जाना जाता था, रावण की पत्नी मंदोदरी का मायका माना जाता है। इस प्रकार, मंदसौर में रावण को दामाद के रूप में जाना जाता है। इसलिए, यहाँ के लोग रावण को अपना ÷दामाद÷ मानते हुए उसकी पूजा करते हैं। वे उसे जलाते नहीं, बल्कि उसकी पूजा करते हैं।

यहाँ स्थित मंदिर

उत्तर प्रदेश के बिसरख में भी रावण दहन नहीं किया जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस स्थान को रावण का मायका माना जाता है। महाकाव्य रामायण में रावण के जन्म का वर्णन यहीं मिलता है। बिसरख में लंका के राजा को समर्पित एक मंदिर भी स्थापित है, जहाँ दशहरे पर रावण की पूजा की जाती है।

इन स्थानों पर भी होती है पूजा

महाराष्ट्र के अमरावती जिले के गढ़चिरौली में आदिवासी समुदाय रावण की पूजा करते हैं। यहाँ रावण को कुलदेवता के रूप में पूजा जाता है। यही कारण है कि इस स्थान पर दशहरे पर रावण का दहन नहीं किया जाता है। इसी प्रकार, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के बैजनाथ में भी रावण की पूजा की जाती है। लोगों का मानना ??है कि रावण ने यहाँ भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा, महाकाल की नगरी उज्जैन में भी रावण को शिवभक्त के रूप में देखा जाता है और उसकी पूजा की जाती है। यहाँ कई लोग दशहरे पर व्रत और हवन भी करते हैं।

हिंदू युवती को भगा ले गया मुस्लिम युवक, बाइक में लगा दी आग

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में एक मुस्लिम युवक एक हिंदू युवती को लेकर फरार हो गया था। जिसके विरोध में हिंदू संगठनों ने एसपी ऑफिस का घेराव किया था। रविवार से ही पुलिस और युवती के परिजन दोनों की तलाश कर रहे थे। तभी मंगलवार की दोपहर युवक को बेरछी गांव के पास देखा गया। जिसके बाद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की और उसकी बाइक में आग लगा दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से उसे इंदौर रेफर कर दिया गया।

दरअसल, मुस्लिम युवक शरीफ देंदला गांव का रहने वाला है। शरीफ पर मक्सी थाना क्षेत्र की एक युवती के अपहरण का आरोप है। युवती के परिजनों ने सोमवार को एसपी ऑफिस में ज्ञापन दिया था। हिन्दू जागरण मंच ने भी आंदोलन की चेतावनी दी थी। सोमवार को हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने एसपी ऑफिस का घेराव कर जल्द से जल्द युवती को ढूंढ कर लाने की मांग की थी।

हिंदू संगठनों ने पुलिस को दी है चेतावनी

हिंदू जागरण मंच के अनूप किरकिरे ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि नामजद शिकायत के बावजूद पुलिस ना लापता युवती की तलाश कर रही है न उस युवक को पकड़ रही है। उन्होंने जिले में 'जिहादी चुनौतियां' बढ़ने का आरोप लगाया था। वहीं दूसरी ओर युवती के समाजजनों ने युवक के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की थी। इस घटना को हिंदू संगठनों ने लव जिहाद बताया था।

विधायक ने पुलिस को दिया था आदेश

शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने भी पुलिस अधिकारियों को मामले में गंभीरता से कार्रवाई करने का आदेश दिया था। मामले को लेकर एडिशनल एसपी घनश्याम मालवीय ने बताया कि ग्राम बेरछी के पास देन्दला निवासी शरीफ के साथ अज्ञात लोगों ने मारपीट की है। उसकी बाइक को जला दी। युवती की तलाश की जा रही है।

बच्चों ने खरीदे बिस्किट, पैकेट खोलते ही निकले पाकिस्तानी झंडे वाले गुब्बारे

माही की गूंज, रतलाम।

मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के आलोट कस्बे में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किराना दुकान से बच्चों ने बिस्किट के पैकेट खरीदे, जिन्हें खोलने पर अंदर से पाकिस्तानी झंडे छपे हरे और सफेद रंग के गुब्बारे निकल आए।

इन गुब्बारों पर 'जश्न-ए-आजादी पाकिस्तान 14 अगस्त' उर्दू में लिखा हुआ था। यह देखकर इलाके में हड़कंप मच गया और लोग आक्रोशित हो उठे।

पुलिस की कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने दुकानदार को घेर लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दुकानदार प्रहलाद राठौर को थाने बुलाकर पूछताछ की। उसने बताया कि बिस्किट आलोट के व्यापारी दिलीप कामरिया से खरीदे गए थे। फिलहाल पुलिस सप्लायर नेटवर्क की जांच कर रही है और पूरे मामले की तह तक जाने की कोशिश में जुटी है।

कैसे हुआ खुलासा?

मामले का खुलासा तब हुआ जब झालावाड़ (राजस्थान) के एक व्यक्ति ने अपने बच्चों को आलोट रोड स्थित किराना दुकान से बिस्किट खरीदने भेजा। बच्चे पैकेट लेकर घर पहुंचे और खोलने पर उनमें से गुब्बारे निकले। जब गुब्बारे फुलाए गए तो उन पर पाकिस्तानी झंडा और आजादी का जश्न लिखा दिखाई दिया। यह देखकर परिवार और पड़ोसियों के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

राष्ट्रवादी संगठनों का आक्रोश

घटना की खबर पूरे इलाके में तेजी से फैल गई। इसके बाद हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों ने जोरदार नारेबाजी की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। संगठनों ने इसे राष्ट्रविरोधी साजिश करार देते हुए कहा कि बच्चों की मासूमियत को निशाना बनाकर यह कृत्य किया गया है, जिसकी जांच गहराई से होनी चाहिए।

स्कूल में किया गया एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक

माही की गूंज, रतलाम।

जिला एड्स नियंत्रण समिति के निर्देश अनुसार चलाए जा रहे सघन जागरूकता अभियान (12 अगस्त से 12अक्टूबर) के अंतर्गत 30 सितंबर को सेंट जोसेफ़ कान्वेंट स्कूल रतलाम में सीएमएचओ डॉ संध्या बलसरे एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ.अभिषेक अरोरा की उपस्थिति में एचआईवी एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ.अभिषेक अरोरा के द्वारा एचआईवी, टीबी, एसटीआई/आरटीआई जैसी बीमारियों की जानकारी दी गई, साथ ही इनके कारण, रोकथाम एवं उपचार के तरीके भी बताए गए। प्रतिभागियों को विशेष रूप से एचआईवी संक्रमण के चार प्रमुख कारण असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त चढ़ाना, संक्रमित सुई/सिरिंज का उपयोग एचआईवी संक्रमित माता से शिशु के बारे में जागरूक किया गया।

साथ ही उपस्थित लोगों को 1097 राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर के बारे में जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति एचआईवी, टीबी व अन्य यौन संचारित रोगों संबंधी निःशुल्क परामर्श प्राप्त कर सकता है। 2017 एक्ट के बारे में बताया गया। जिसमे लगभग 300 विद्यार्थियों एवं स्टॉप पुष्पेंद्र शर्मा, रामेंद्र गुप्ता, लक्ष्मण मीणा, प्रणव वर्मा, हिमांशु चौहान और सेंट जोसेफ़ कान्वेंट के प्राचार्य निधि और जय प्रकाश जोसेफ उपस्थित रहे।

किसानों ने सड़क पर फेंके टमाटर और ब्लॉक कर दिया रोड

माही की गूंज, शाजापुर।

नगर पालिका के हाट मैदान में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। इसके बाद दुकानदारों का कहना था कि सब्जी रखने की जगह नहीं बची है। शाजापुर के टंकी चौराहा पर रविवार की सुबह किसानों ने बड़ी मात्रा में टमाटर फेंककर जाम लगा दिया है। इसके बाद ट्रैफिक बाधित हो गई है। सब्जी दुकानदारों ने किसानों से टमाटर खरीदने से इनकार कर दिया था। इसी बात से किसान नाराज हो गए थे।

टमाटर रखने की जगह नहीं

दरअसल, दुकानदारों का कहना था कि एक दिन पहले नगर पालिका ने हाट मैदान क्षेत्र से उनकी टमाटर आदि रखने की व्यवस्था अतिक्रमण हटाने के नाम पर खत्म कर दी। अब उनके पास टमाटर रखने के लिए स्थान नहीं बचा है। ऐसे में वह टमाटर खरीदकर कहां रखेंगे। इससे नाराज किसान और दुकानदार एकत्रित होकर टंकी चौराहा पहुंचे थे और रोड पर टमाटर फेंक कर जाम लगा दिया था। काफी देर तक किसान रोड पर जाम लगाकर खड़े रहे।

एसडीएम ने की बात

इसके बाद मौके पर एसडीएम मनीषा वास्कले मौके पर पहुंची। उन्होंने चर्चा करके नाराज लोगों को समझाया और जाम खत्म कराया। उचित भाव नहीं मिलने से भी नाराजगी प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था कि उन्हें किसी भी उपज का सही दाम नहीं मिल रहा है। फिर चाहे प्याज हो, टमाटर हो या अन्य उपज। सोयाबीन की तो पहले से ही हालत खराब है। लंबे समय से परेशानी फल सब्जी मंडी संचालक को लेकर शहर में काफी समय से परेशानी और अव्यवस्था बनी हुई है। इसे लेकर पूर्व में भी किसान और दुकानदार प्रदर्शन कर चुके हैं।

प्रदर्शन के दौरान दुकानदार और किसानों ने कहा कि हम पहले भी समस्या समाधान की मांग कर चुके हैं। किंतु अधिकारी सिर्फ आश्वासन देते हैं और समस्या का समाधान नहीं होता है। इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए नए स्थान पर फल सब्जी मंडी बनाई जानी है। तब तक दुकानदारों का कहना है कि उन्हें टंकी चौराहा स्थित सब्जी मंडी परिसर में खरीददारी करने दी जाए।

नवीन नगद खाद गोदाम का शुभारंभ

माही की गूंज, मंदसौर।

जिला विपणन अधिकारी श्रीमती गरिमा सेंगर द्वारा बताया गया कि, किसानों की सुविधा और समय की बचत को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ के नवीन नगद खाद गोदाम का शुभारंभ आज बोलिया रोड गरोठ पर विधायक श्री चंदर सिंह सिसोदिया द्वारा किया गया।इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे। अब तक गरोठ एवं आसपास के क्षेत्र के किसानों को नगद में खाद प्राप्त करने हेतु शामगढ़ के शांतिकुंज भंडारण केंद्र पर जाना पड़ता था। साथ ही समितियों को भी वहीं से खाद का उठाव करना होता था। नवीन भंडारण केंद्र की शुरुआत से किसानों एवं समितियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब किसान बंधु आधार कार्ड एवं खेत की पावती की फोटोकॉपी लेकर सीधे गरोठ भंडारण केंद्र से पावती अनुसार नगद में खाद प्राप्त कर सकेंगे। इससे न केवल समय व खर्च की बचत होगी, बल्कि किसानों को अपने क्षेत्र में ही सहजता से खाद उपलब्ध हो सकेगी।

नालछा माता मंदिर बेहद चमत्कारिक स्थान, जहां माता और भैरव एक ही गद्दी पर विराजमान

माही की गूंज, मंदसौर।

शहर से करीब पांच किमी दूर स्थित नालछामाता मंदिर बेहद चमत्कारिक स्थान है। इसकी पुष्टि मंदिर से जुड़ी मान्यताओं और घटनाओं में होती है। इस स्थान पर मंदिर की स्थापना कब और कैसे हुई वह इतिहास न तो माता की सेवा करने वाले पुजारी को पता है और न ही भक्तों को। इतना जरूर बताते हैं कि जिस स्थान पर आज माता की प्रतिमा विराजित है, सैकड़ों वर्षों से प्रतिमा उसी स्थान पर है। यह अद्वितीय मंदिर है, जहां पर एक ही गादी पर माता रानी और भैरवनाथ विराजित है।

मान्यता है कि मां नालछा दिन में तीन बार रूप बदलती है। सुबह बाल्यावस्था, दोपहर में युवावस्था और रात्रि में वृद्धावस्था का रूप दिखता है। नालछामाता का वास्तविक नाम नाहरसिंह माता है। लेकिन जिस स्थान पर माता की प्रतिमा विराजित है वह उस गांव का नाम नालछा है। इसी के चलते धीरे-धीरे नाम नालछा माता पड़ गया। बताया जाता है कि ग्राम नालछा महाराजा दशरथ की अयोध्या रियासत का अंतिम छौर था। यहां पर हजारों वर्ष पुराने इस नालछामाता मंदिर की ख्याति तीन दशकों से बड़ी है। शहर ही नहीं अपितु जिले व प्रदेश के विभिन्न अंचलों से भी भक्त यहां माता रानी के दर्शन के लिए आते हैं। विश्व की एक मात्र प्रतिमा जिसमें मां भवानी नालछा और बाबा भैरव एक ही गादी पर विराजित है।

बताया जाता है कि मां नालछा का मंदिर राजा दशरथ के समय यानि सतयुग का है। कई वर्षों तक माली समाज द्वारा माता की सेवा पूजा, अर्चना की गई। करीब 25 वर्ष पहले मंदिर शासन के अधीन होने के बाद से व्यवस्था में परिवर्तन हो गया। पुजारी के अनुसार आरती के समय माता की प्रतिमा पर चढ़ाए जाने वाले फूल आज भी गिरते हैं, जिससे मान्यता यह है कि आरती में भक्तों को आशीर्वाद देती है। नालछामाता मंदिर पर नियमित आने वाले भक्तों ने बताया कि मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है।

शेर की धहाड़ सुन डर गई थी औरंगजेब की सेना

मान्यता यह भी है कि माता मंदिर पर शेर आते थे। इसका उल्लेख एक घटना में होता है। इस्वी सन 1691 में औरंगजेब की सेना नालछा के मैदान में ठहरी हुई थी। वहां पर किसी शेर के दहाडने की आवाज आ रही थी। इसके चलते पूरी सेना में खौफ छा गया। गुप्तचर विभाग ने जंगल में शेर को ढूंढने का प्रयास भी किया, लेकिन शेर कहीं नहीं मिला। इसी चमत्कार के चलते औरंगजेब की सेना ने मंदिर को कुछ भी नुकसान नहीं पहुंचाया।

नालछामाता मंदिर पर कभी भी कोई चोरी व लूट की घटनाएं नहीं हुई। मंदिर से जुड़े लोगों के अनुसार करीब आठ बार मंदिर परिसर में चोर व लूटेरे आ चुके हैं। लेकिन कभी भी मंदिर के अंदर तक नहीं पहुंचे। चैनल गेट के हाथ लगाते ही चैनल बजने से कभी सुरक्षा कर्मी जाग गए तो कभी गेट तक पहुंचने के बाद चोर उलटे पांव लौट गए।

मां के सात दिन बाद तीन महीनें के दो शावक भी पिंजरे में कैद, अब मां से होगा मिलाप

माही की गूंज, बड़वानी।

पिछले करीब तीन महीने से सेलिंबई गांव के आसपास तेंदुए के लगातार आतंक से ग्रामीण परेशान थे। इसके हमले में कई लोगों की जान खतरे में पड़ चुकी थी। ग्रामीणों की शिकायतों के बाद वन विभाग का अमला सतर्क हो गया और तेंदुए को पकड़ने के लिए बड़ा बचाव अभियान चलाया गया।

23 सितंबर को मादा तेंदुए को पिंजरे में कैद किया गया था। अब सोमवार की रात को उसके दो शावक भी पिंजरे में कैद हो गए। इससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

वन विभाग के डीएफओ आशीष बनसोड़ ने बताया कि ग्राम लिंबई के किरता फलिए में 23 सितंबर को मादा तेंदुए को पकड़ा गया था। सीसीटीवी फुटेज में उसके साथ दो शावक भी दिखाई दिए थे, जिनकी तलाश लगातार की जा रही थी। तीन महीने के शावकों के लिए भोजन की व्यवस्था अलग-अलग पिंजरों में की गई थी।

शावकों को पकड़ने के लिए वन विभाग का अमला लगातार प्रयास कर रहा था। सोमवार रात को किरता फलिए में एक शावक पहले पिंजरे में कैद हुआ था, जबकि दूसरा शावक बाहर था। उसके पास तुरंत दूसरा पिंजरा लगाया गया और वह भी उसमें कैद हो गया।

डीएफओ ने बताया कि मां से सात दिन बाद उसके शावकों का रेस्क्यू किया गया, जिसमें एक मादा और एक नर शावक है। इस ऑपरेशन को वनमंडल अधिकारी बड़वानी और उपवन मंडल अधिकारी बड़वानी के मार्गदर्शन में वन प्रक्षेत्र अधिकारी विकास जमरे के सफल नेतृत्व में वन विभाग राजपुर की टीम और बड़वानी रेस्क्यू टीम ने सफलता हासिल की।

मादा तेंदुए को वन विहार भोपाल भेजा गया था, जहां विशेष निगरानी में रखा गया। अब उसके शावकों को भी मां के पास वन विहार भोपाल भेजा जाएगा। डीएफओ ने बताया कि शावकों को पहले पिंजरे में ही रखा जाएगा ताकि मां उन्हें पहचान सके। कई बार बिछड़ने के कारण मां शावकों पर हमला कर देती है। यह प्रक्रिया विशेष टीम की निगरानी में पूरी की जाएगी।

बैंक के बाहर 60 हजार और मोबाइल लूटे गए

माही की गूंज, खरगोन।

भीकनगांव के भारतीय स्टेट बैंक की मंडी रोड शाखा के बाहर दिनदहाड़े लूट की वारदात हुई। बैंक से राशि निकालने आए पिता-पुत्र से 60 हजार रुपए और मोबाइल से भरा बैग छीनकर बदमाश फरार हो गए। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

यह घटना बुधवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे हुई। बैंक शाखा के सामने पल्सर बाइक पर सवार दो बदमाश पहुंचे। उन्होंने इलेक्ट्रिशियन मनोज चौहान और उनके रिटायर्ड शिक्षक पिता मोहन चौहान को निशाना बनाया।

बदमाश पहले से ही बैंक के बाहर निगरानी कर रहे थे। घटना के समय एक बदमाश बाइक पर बैठा रहा, जबकि दूसरा बैग छीनकर फरार हो गया।

भीकनगांव पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस संदिग्धों की जानकारी जुटा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एसपी रवींद्र वर्मा ने बताया कि, भीकनगांव में बाइक पर रखा बैग चोरी हुआ है, जिसमें 60 हजार रुपए और एक मोबाइल था। आरोपियों का पता लगाने के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है और लोकेशन ट्रेस की जा रही है। उन्होंने जल्द ही आरोपियों को पकड़कर मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया।

10 हजार रुपए के इनामी पिस्टल निर्माता की गिरफ्तारी

माही की गूंज, खंडवा।

पदमनार पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी पिस्टल निर्माता मुडा सिंह को उसके गांव में दबिश देकर गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। खरगोन पुलिस की मदद से गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 10 देसी पिस्टल और पिस्टल बनाने की बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की गई है।

मुडा सिंह के खिलाफ पुलिस ने 24 जुलाई को मामला दर्ज किया था। उस समय दो हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया गया था, जिन्होंने पूछताछ में कबूला था कि उन्होंने हथियार खरगोन के गोगावा निवासी मुडा सिंह से खरीदे थे। उस समय पुलिस ने दबिश दी थी, लेकिन मुडा भाग गया था।

दशहरा के दौरान सूचना मिलने पर पुलिस ने गांव पहुंचकर उसे चारों तरफ से घेरकर गिरफ्तार किया। फरार आरोपी की कई राज्यों में तलाश की जा रही थी, जिसमें इंदौर, खरगोन और अन्य राज्य शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक खंडवा मनोज कुमार राय ने बताया कि मुडा का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उसके खिलाफ गोगावा, खरगोन और पदमनगर, खंडवा में आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। 28 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसके कब्जे से 9 देसी कट्टे, देसी पिस्टल और पिस्टल बनाने का सामान जब्त किया गया।

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने कहा कि टीआई प्रवीण आर्य और उनकी टीम की इस गिरफ्तारी में सराहनीय भूमिका रही है। मुडा सिंह को पकड़ने वाले को 10 हजार रुपए नगद इनाम देने की घोषणा भी की गई है।

51 फीट के रावण का दहन

माही की गूंज, खरगोन।

खरगोन में दशहरे का मुख्य कार्यक्रम नवग्रह मेला मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। पुतला दहन से पहले 30 मिनट तक रंगीन आतिशबाजी का कार्यक्रम होगा।

रावण पुतले के निर्माण में लगे कलाकारों ने बताया कि सिर, धड़, हाथ और पैर का ढांचा तैयार हो चुका है। अब इस पर कागज की परतों से कपड़े चढ़ाए जा रहे हैं। पुतले के भीतर आतिशबाजी और पटाखे लगाए जाएंगे।

दशहरे के मुख्य कार्यक्रम के तहत, पहाड़सिंहपुरा के कलश चौक से राम, लक्ष्मण और हनुमान कलाकारों की शोभा यात्रा में शामिल होकर मेला मैदान पहुँचेंगे। इसके बाद बाण से रावण के पुतले का दहन किया जाएगा।

शहर में दशहरे के अवसर पर नूतननगर, गौरीधाम, विवेकानंद कॉलोनी, जैतापुर सहित 10 से अधिक स्थानों पर भी पुतला दहन समारोह की तैयारियाँ चल रही हैं।

चेक बाउंस के मामले में व्यापारी को सजा

माही की गूंज, खंडवा।

खंडवा तहसील के ग्राम बड़गांव माली के दो किसानों को चेक बाउंस के मामले में बड़ी राहत मिली है। न्यायालय ने एलिस एग्रो नामक फर्म के संचालक अनवर खान को दोषी पाए हुए एक-एक साल की सजा सुनाई है। साथ ही किसानों को दो लाख में उल्लिखित राशि 9त्न ब्याज सहित प्रतिपूर्ति करने का आदेश दिया गया है।

किसान जयदीप पाटीदार और बनवारी पाटीदार ने वर्ष 2021 में अपनी सोयाबीन की फसल एलिस एग्रो के संचालक अनवर खान को बेची थी। अनवर खान ने जयदीप पाटीदार को दो लाख सड़सठ हजार रुपए और बनवारी पाटीदार को एक लाख चौरासी हजार पाँच सौ रुपए के चेक दिए थे। जब किसानों ने भुगतान के लिए चेक बैंक में जमा किए, तो वे बाउंस हो गए।

चार साल की कानूनी लड़ाई के बाद आया फैसला

इसके बाद, किसानों ने अधिवक्ता हृदयेश बाजपेयी के माध्यम से न्यायालय में मामला दर्ज कराया। चार साल की कानूनी लड़ाई के बाद, न्यायालय ने अनवर खान को दोषी पाया और उन्हें एक-एक साल की सजा सुनाई। कोर्ट ने अनवर खान को जयदीप पाटीदार को तीन लाख छियासठ हजार चार सौ तिहत्तर रुपए और बनवारी पाटीदार को दो लाख आठ हजार पाँच सौ तेरह रुपए प्रतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश दिया है। यदि अनवर खान राशि का भुगतान नहीं करते हैं तो उन्हें तीन महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अधिवक्ता हृदयेश बाजपेयी ने बताया कि न्यायालय ने मामला दर्ज करते हुए न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम राकेश भिड़डे के न्यायालय द्वारा निराकृत किया। उन्होंने कहा कि कानूनी लड़ाई लंबी थी, लेकिन सत्य की जीत हुई। किसानों को न्यायालय का संवेदनशील फैसला सुनकर बड़ी राहत मिली है।

बारिश थमी और अंतिम नवरात्र में गरबा का रंग जमा, सारी रात झूमें गरबा प्रेमी और माता भक्त

माही की गूंज, आम्बुआ।

शारदीय नवरात्रों में माता जी की आराधना के साथ-साथ रात्रि में गरबा नृत्य की धूम गरबा पांडालों में देखी गई। एक-दो दिन बारिश ने जरूर खलल डाला, मगर अष्टमी तथा नवमी तिथि में जमकर गरबा का ऐसा रंग चढ़ा कि सारी रात झूमते नजर आए गरबा प्रेमी और माता जी के भक्त।

इधर जहां घट स्थापित किए गए हैं, वहां माता जी की मूर्तियों की पूजा-अर्चना का दौर जारी रहा। आज दशहरे पर माता जी की मूर्तियों तथा घट का विसर्जन किया जाएगा।

आम्बुआ में टेकरी वाली अम्बे माता मंदिर तथा शंकर मंदिर प्रांगण, मेलडी माता मंदिर, और बीजासन माता मंदिर में नवरात्रि उत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रति दिन सुबह और शाम महाआरती की गई। अंतिम दिन मंदिरों में यज्ञ एवं हवन के साथ ही माता भक्तों ने अपने घरों में कन्या भोज का आयोजन भी किया। कन्याओं की विधिपूर्वक माता स्वरूप में पूजा-अर्चना की गई और उन्हें दान स्वरूप नगद तथा उपहार अर्पित कर माता जी का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

वैश्विक उथल-पुथल के दौर में देश तलाशे अपनी भूमिका

हालिया घटनाएं मुझे फिर से एक बार इस पर विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं कि वैश्विक परिदृश्य में खेले जा रहे सत्ता के खेल में भारत की जगह क्या हो और इसमें 'साउथ ब्लॉक' को क्या भूमिका निभाने की जरूरत है। पिछले कुछ वक्त से, राष्ट्रपति ट्रंप और उनका व्यक्तित्व जोकि अमेरिकी रणनीति को संचालित कर रहा है, इसको लेकर काफ़ी चर्चा जारी है। हालांकि यह एक कारक मात्र है, यह मान लेना कि इसका प्रभाव सब चीज़ों पर है, देश मामलों का अति सरलीकरण होगा; खासकर तब जबकि अमेरिका एक महाशक्ति है।

शायद हमारी अपनी राजनीति, जो लंबे समय से संस्थागत होने की बजाय व्यक्ति पर टिकी है, हमें दूसरों को भी अपने इसी नज़रिए से देखने के लिए मजबूर करती है...मेरी राय में यह एक गंभीर चूक है। सर्वप्रथम, अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को ही लीजिए। हालांकि पाकिस्तान कभी-कभी अमेरिका के लिए एक उद्दंड बालक जैसी समस्या रहा है (विशेषकर अल-क़ायदा और ओसामा बिन लादेन के दौर में), फिर भी यह मुल्क दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी नीति में कुल मिलाकर एक अहम औजार रहा है। सोवियत संघ के विरुद्ध अफ़ग़ान मुजाहिदीन विद्रोह के दौरान पाकिस्तान ने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद, अफ़ग़ानिस्तान पर अमेरिकी आक्रमण और तालिबान के साथ युद्ध के दौरान, पाकिस्तान ने रसद सहायता और खुफ़िया जानकारी, दोनों प्रदान की, यानि इस तरह उसने तालिबान और हक्कानी नेटवर्क, दोनों के साथ, दोहरा खेल खेला, हालांकि उसे इसकी भारी क़ीमत चुकानी पड़ी।

पैटन' टैंकों से शुरू करते हुए और आगे चलकर एफ-16 लड़ाकू विमान देना, पाकिस्तानी सेना को भी ज्यादातर अमेरिका ने ही सुसज्जित और प्रशिक्षित किया। बेशक,हालिया वर्षों में, उसे चीन के रूप में एक मज़बूत समर्थक भी मिल गया। मैं इस पुराने संबंध का ज़िक्र इस क्षेत्र में अमेरिका के रहे (और आज भी) रणनीतिक हितों पर प्रकाश डालने के लिए कर रहा हूं। अब एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति ने अफ़ग़ानिस्तान से बगराम एयरबेस अमेरिका को सौंपने की मांग की है, जो इसका संकेत है कि जल्द ही कोई कड़ी कार्रवाई होने वाली है।

सोवियत संघ के साथ हमारे संबंध और विशेष रूप से तीनों सेनाओं में रूस निर्मित हथियार और गोला-बारूद की आमद के चलते (हमारे अधिकांश पुराने उपकरण रूसी हैं) 20वीं सदी के अधिकांश समय में भारत-अमेरिका संबंधों को ठंडा या ज्यादा-से-ज्यादा गुनगुना ही कहा जा सकता है। सोवियत संघ विघटन और भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलने से अमेरिका के साथ एक नई शुरुआत के लिए अनुकूल माहौल बना। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुए भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते ने भारत पर दशकों से लगे परमाणु प्रौद्योगिकी प्रतिबंध को खत्म करवाया और साथ ही एक तरह से परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र होने की मान्यता भी मिली। इससे भारत-अमेरिका संबंधों को काफी सकारात्मक गति मिली।

राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में, भारत-अमेरिका संबंध सुधरते दिख रहे था। हालांकि, इस वर्ष संकेत तब अशुभ हो गए, जब मई में हुई सैन्य झड़प के बाद - जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए पहलगाम नरसंहार के बाद हुई थी दृ ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनवाने का दावा किया।

भारत ने इसका खंडन किया व स्पष्ट किया कि युद्धविराम दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच वार्ता से बना। इसके बाद, ट्रम्प ने बारंबार युद्धविराम करवाने का दावा किया और कहा कि इस तरह उन्होंने एक संभावित परमाणु संघर्ष को टलवाया। स्थिति और मुश्किल बन गयी जब ट्रंप ने पाक सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर को निजी लंच दिया (अमेरिका ने बाद में भी उनकी मेज़बानी की)। किसी देश में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री होते हुए उसके सेना प्रमुख को न्योता देना अपनी ही कहानी बयां करता है। न्योता तो हमारे प्रधानमंत्री को भी दिया गया था, जब वे कनाडा में थे, लेकिन उन्होंने पहले से तय कार्यक्रमों में व्यस्तता के चलते मना कर दिया (मौजूदा व्हाइट हाउस वासियों ने इसे हल्के में नहीं लिया होगा)।

पिछले साल अपनी चुनावी रैलियों में, ट्रंप ने भारत को 'टैरिफ किंग' ठहराया था और भारत तथा अन्य देशों पर, जिनके बारे में उनका दावा था कि अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन और व्यवहार में भारी अंतर हैं, उन पर तगड़ा टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। अंततः भारी टैरिफ लगा भी दिया; पहले 25 फीसदी , जो अपमानजनक है क्योंकि चीन को छोड़ हमारे पड़ोसी एशियाई देशों पर टैरिफ बहुत कम है और फिर रूसी तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 फीसदी (कुल 50 प्रतिशत तक निषेधात्मक) लगा दिया।

किसी कारण, हमारे विदेश और वाणिज्य मंत्रालय के अलावा मीडिया का बड़ा वर्ग इस मंडराते खतरे को नकारता दिखाई दिया, इस उम्मीद में कि हमारे नेताओं के व्यक्तिगत संबंधों से स्थिति संभाल ली जाएगी। फिलहाल ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब हमारी अर्थव्यवस्था के विरुद्ध और अधिक दंडात्मक उपायों की धमकी न दी जाती हो। एच-1बी वीज़ा प्रकरण (1,00,000 डॉलर शुल्क) हमारे ऊपर नवीनतम प्रहार है। इसका प्रभाव हमारी आईटी फर्मों और पेशेवरों पर दीर्घ काल में बहुत बड़ा रहेगा। हमें इन उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को किसी अन्य देश के हित में फिर से खो देने के बजाय, इनकी संभावित वतन वापसी हेतु अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास करना चाहिए।

तो, हमें क्यों अलग-थलग करने के साथ निशाना बनाया जा रहा है? क्या यह मुख्यतः रूसी तेल का मामला है? अगर ऐसा होता, तो यूरोप और कई नाटो देश भी इसके दोषी होते। अगर नहीं, तो क्या हम एक बहुत बड़े खेल में 'मोहरा' बन रहे हैं? शोचनीय है , सऊदी-पाक सैन्य समझौता इतनी जल्दी कैसे संभव है? अमेरिका के आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं।

ईरान में चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंधों में ढील वापस लेना हम पर किया गया अन्य आघात रहा। यह बंदरगाह इस क्षेत्र में हमारे प्रमुख रणनीतिक हितों में से एक था और इससे हमें मध्य एशियाई बाजारों और अफ़ग़ानिस्तान तक पहुंचने में मदद मिलती। हो सकता है अमेरिका द्वारा ईरान पर हाल में की गई बमबारी और अमेरिका-पाकिस्तान के बीच हो रहे समझौतों ने इस पर असर डाला हो। संभवतः ये कदम इस क्षेत्र में बढ़ रहे चीनी प्रभाव का मुकाबला करने को उठाए जा रहे हों। चीन ईरानी तेल का बड़ा खरीदार है। चीन और अफ़ग़ानिस्तान दुर्लभ धातु अयस्क खनन पर समझौते कर रहे हैं। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव इस क्षेत्र से गुज़रती है - इसमें कई खेल संभव हैं।

गुरबचन जगत

मैं अपने निकटतम पड़ोस पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा। नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका, सभी में थोड़े अंतराल में हिंसक सत्ता परिवर्तन हुए। ये सब अचानक हुए विस्फोट प्रतीत होते हैं, पक्का नहीं कि ये सिर्फ अंदरूनी अशांति का परिणाम थे या विदेशी ताकतों की शह से पैदा समस्या। हम मणिपुर समस्या का समाधान नहीं खोज सके और म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल से घिरे उत्तर-पूर्व में समस्याएं गहरा रही हैं। अरसे से लटकता समाधान, जिसमें समस्या की पहचान व निदान का कोई प्रयास नहीं किया गया, लद्दाख अंततः उबल पड़ा है। चीन के साथ सीमा विवादों के मद्देनजर यह घटनाक्रम भारतीय राष्ट्र के हित में नहीं। अपने नागरिकों के खिलाफ घातक हथियारों का इस्तेमाल, यदि करना भी पड़े, तो अंतिम विकल्प हो।

मौजूदा अशांत स्थितियों के मद्देनजर जब पूरे विश्व में तनाव उत्पन्न हो रहा है और राष्ट्र-राज्य संरक्षणवाद व वैश्वीकरण- विरोधी रुख अपना रहे हैं, हमें परिस्थिति जन्य परिदृश्य में अपना स्थान पहचानने की आवश्यकता है, ताकि घटनाएं हम हावी न हो पाएं।

जहां शराबबंदी वहां मदिरा लेकर निकले एसपी और कलेक्टर

माही की गूंज, उज्जैन।

पूरे देशभर में नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। नौ दिनों के इस पर्व में मंगलवार को आठवें दिन महाष्टमी के रूप में मनाया जाता है। इस दिन उज्जैन में नगर पूजन किया गया। सुबह से ही चौबीस खंबा माता भक्तों का तांता लगा रहा। परंपरा अनुसार माता मंदिर में की गई महाआरती में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा शामिल हुए।

दरअसल, चोबीस खम्बा माता मंदिर में मईया की पूजा राजा विक्रमादित्य करते थे। इसी परंपरा का निर्वाह जिलाधीश ने किया है। यहां कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा ने माता महामाया और महालाया की पूजा की। फिर मदिरा का भोग लगाया और महाआरती की। कलेक्टर और एसपी को परंपरा का निर्वहन करते देख वहां मौजूद लोग खुश हो गए। वहीं, स्थानीय लोगों ने कहा कि महाकाल की नगरी की इस परंपरा का निर्वहन कलेक्टर और एसपी हमेशा करते हैं।

विक्रमादित्य के समय से जारी है नगर पूजा

उज्जैन में राजा विक्रमादित्य के समय से ही नगर पूजा की परम्परा चली आ रही है। समय बीतने के चलते यह जिम्मेदारी जिले के जिलाधीश को मिली। इसके चलते इस परम्परा का निर्वाह उज्जैन जिला कलेक्टर ने किया। नवरात्रि पर महाष्टमी के दिन वर्ष में एक बार जिला प्रशासन द्वारा नगर पूजा की जाती है। इस पूजा में लगभग 27 किलो मीटर तक मदिरा की धार लगाई जाती है जो कि शहर के कई देवी मंदिरों में जाती है।

27किमी लंबी मदिरा की बहती है धार

इस महापूजा में जिला प्रशासन के साथ-साथ कई श्रद्धालु पैदल चलते हैं। सुबह प्रारंभ होकर यह यात्रा शाम तक समाप्त होती है। यह यात्रा उज्जैन के प्रसिद्ध चोबीस खंबा माता मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण के बाद ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर पर शिखर ध्वज चढ़ाकर समाप्त होती है। इस यात्रा की खास बात यह होती है कि एक घड़े में मदिरा को भरा जाता है जिसमें नीचे छेद होता है जिससे पूरी यात्रा के दौरान सड़क मार्ग व देवी मंदिरों में मदिरा की धार बहाई जाती है। हर बार महापूजा में जिला कलेक्टर के साथ प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी व बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होते हैं।

आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में मोहन सरकार आने के बाद प्रदेश के 19 धार्मिक जगहों के नगर निगम सीमा क्षेत्र में शराब बंदी लागू कर दी गई थी। इनमें से एक उज्जैन शहर भी शामिल है। लेकिन नवरात्रि के समय नगर पूजा के दौरान चौबीस खम्बा में माता में पारंपरिक पूजा हुई। माता को मदिरा भोग लगाने की इस प्राचीन परंपरा को हर्षोल्लास के साथ मनाया। नगर पूजा का प्रमुख उद्देश्य शहर में किसी भी प्रकार की कोई प्राकृतिक आपदा ना हो साथ ही सुख समृद्धि व खुशाली बनी रहे।

अवैध शराब के साथ वाहन चालक गिरफ्तार

माही की गूंज, उदयगढ़।

थाना उदयगढ क्षेत्रान्तर्गत दिनांक 30 सितम्बर को पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, एक चारपहिया वाहन द्वारा राणापुरदूजोबट मार्ग से होकर बड़ी मात्रा में शराब का अवैध परिवहन करते हुए गुजरेगा। प्राप्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी उदयगढ़ निरीक्षक ब्रजभूषण हीरवे के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये अपने पर्यवेक्षण मे टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा बोरी फाटक, प्रताप फलिया क्षेत्र में घेराबंदी की गई। लगभग दोपहर 3 बजे एक सफेद रंग का वाहन दूर से जोबट तरफ से आते हुये दिखाई दिया। उक्त वाहन के चालक द्वारा दूर से ही पुलिस टीम को देखकर वाहन खडा कर दिया पुलिस टीम के वाहन के पास पहुंचते वाहन छोडकर भाग गया। पुलिस टीम के द्वारा वाहन सुजुकी सियाज कार (क्रमांक जीजे-07-डीए-2622) की तलाशी ली गई जिसमें बडी मात्रा मे बीयर एवं देशी शराब की पेटीयां भरी होना पाई गई। पुलिस टीम के द्वारा वाहन को अपने कब्?जे मे लेकर थानें लाया गया।

वाहन से माउण्ट 6000 सुपर स्ट्रॉन्ग बियर की 23 पेटियाँ सफेद देशी प्लेन मदिरा की 07 पेटियाँ की जप्ती की गई है। उपरोक्त घटना पर थाना उदयगढ़ में अपराध क्रमांक 251/2025, धारा 34(2), 46 आबकारी एक्ट पंजीबद्ध किया गया है एवं प्रकरण विवेचना में लिया गया है। उक्त वाहन चालक एवं शराब परिवहन के स्त्रोंत के संबंध मे पुलिस टीम द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

इस कार्यवाही में निरीक्षक ब्रजभूषण हिरवे, उनि शंकरसिंह रावत, सउनि अजय भिड़े, प्रआर रोहित कामलिया, प्रआर अमरसिंह भाबर, प्रआर आजाद चौहान, आर. आनन्द अनारे, आर सुरमल एवं आर. अजय का योगदान रहा है।

जिला पोषण समिति की मासिक बैठक का आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला पोषण समिति की मासिक बैठक का आयोजन कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष मे किया गया।इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिला वानिकी अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला आयुष अधिकारी, जिला कार्यपालन यंत्री, जिला कृषि अधिकारी/जिला उद्यानिकी अधिकारी, पोषण प्रशिक्षक सोण्डवा, भाबरा उपस्थित थे।

इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा पोषण ट्रैकर एवं संपर्क ऐप पर होने वाली प्रविष्टियों एवं पोषण के संबंध में एवं पूर्व बैठक में नाश्ते के स्थान पर रेडी टू इट (मुरमुरे) प्रदाय किये जाने का निर्णय लिया गया था जिसके संदर्भ में प्रदाय की स्थिति एवं उससे आंगनवाड़ी केन्द्रों पर हितग्राहियों की उपस्थिति बढ़ने से अवगत कराया गया एवं विभिन्न बिन्दुओं पर समिति के समक्ष प्रस्तुत किया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के सुचारू क्रियान्वयन एवं सतत निगरानी, पोषण आहार वितरण व्यवस्था का जिला कलेक्टर के ÷की परफॉर्मेंस इंडिकेटर÷ के रूप में समन्वय और मूल्यांकन, अति गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की बच्चों के पोषण स्तर में सुधार, पूरक पोषण आहार की गुणवत्ता, मानक, ताजा गर्म पका भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित हेतु यह आवश्यक हैं कि उक्त भोजन शुद्धता से तैयार हो जिसके लिये निर्धारित किचन शेड, पर्याप्त साफ-सफाई एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

चिकित्सा अधिकारी के साथ संयुक्त भ्रमण एवं मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन विशेषकर अति गंभीर कुपोषित बच्चों के संबंध में, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस बैठक, ग्राम स्तर पर आंगनवाड़ी स्तरीय प्रबंधन समिति, समुदाय, सहयोगिनी मातृ समिति एवं पंचायती राज संस्थाओं (पोषण सरकार) के सहभागिता से सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेहिता को प्रोत्साहन करना, समग्र पोषण हेतु आयुष अवधारणा को सम्मिलित करना- आयुष विज्ञान के माध्यम से अच्छे स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती पाने के लिए स्वदेशी पारंपरिक पद्धतियों का उपयोग कर पोषण आवश्यकताओं की प्राप्ति की जा सकती हैं, पोषण वाटिका स्थापित करना।

360 डिग्री घूमेगा रावण, फिर सुनाई देगी घमंडी हंसी

माही की गूंज, धार।

दो अक्टूबर यानी आज दशहरा उत्सव उत्साह के साथ मनाया जाएगा। रावण दहन के साथ ही पुतले का दंभ भी टूटेगा। हर साल की तरह धार में दो स्थानों पर पुतला दहन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में है। किला मैदान पर सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति नौगांव द्वारा पिछले 46 वर्षों से रावण दहन किया जा रहा है।

परंपरानुसार यहां 51 फीट का रावण बनाया गया है, जो चारों दिशाओं में 360 डिग्री घूमेगा। साथ ही अट्टास करते हुए दर्शकों को दिखाई देगा। बारिश को देखते हुए पुतले को वाटर प्रूफ बनाया गया है। इसमें जो पेपर और कलर लगाया गया है, वह वाटरप्रूफ है, ताकि मौसम खराब होने की स्थिति में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। समिति संयोजक भगतसिंह चौहान ने बताया कि रावण दहन का आयोजन शाम 6 बजे आरंभ होगा। इस दौरान दो घंटे तक भव्य आतिशबाजी की जाएगी।

हजारों की भीड़ रहेगी मौजूद

किला मैदान पर दशहरा उत्सव को देखने के लिए हजारों की भीड़ पहुंचती है। उसके हिसाब से आयोजन समिति द्वारा तैयारियां की जा रही है। सोमवार को केन की मदद से पुतले को खड़ा किया गया। साथ ही बारिश को देखते हुए पॉलीथिन से ढका गया। अब इसे दो अक्टूबर को ही खोला जाएगा।

परंपरा अनुसार कार्यकम संपन्न होगा। किला मैदान पर रावण के पुतले के चारों ओर सुरक्षा के लिहाज से बैरिकेड्स लगाए जाएंगे। साथ ही इस दिन चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। वाहनों की पार्किंग को लेकर अलग स्थल तय किया गया है। ताकि रतलाम रोड पर जाम जैसी स्थिति नहीं बने।

नगर पालिका द्वारा दशहरा मैदान पर आयोजन

नगर पालिका द्वारा दशहरा मैदान में रावण दहन का आयोजन किया जाता है, जिसे देखने के लिए आधे शहर के लोग व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों लोग पहुंचते हैं। नगर पालिका द्वारा रावण बनाने के लिए दो लाख में ठेका दिया गया है। रावण दहन के साथ आतिशबाजी का आनंद लोग उठाएंगे।

धर्म विशेष युवक ने हिंदू महिला से किया निकाह...

माही की गूंज, उज्जैन।

जिले के बड़नगर की रहने वाली युवती का विवाह 4 साल पहले धार जिले के बदनावर में हिदू रीति रिवाज से हुआ। इस दौरान बड़नगर के पास गुलाबपुरा गांव का रहने वाला मोनू पिता गुड्डू खां नाम का युवक महिला से मिलने बदनावर जाता था और उसने उसे अपनी मुंह बोली बहन बताता था।

2 साल पहले महिला को बहला फुसलाकर मोनू खां ने उससे निकाह कर लिया और उसका नाम (उक्त) से बदलकर समीरा रख दिया। शादी के बाद दोनों जोधपुर में रहने लगे और कुछ महीने पहले ही बड़नगर के गुलाबपुरा में वापस रहने आए। इस दौरान समीरा के परिजन उसके संपर्क में आ गए थे। समीरा अपने परिजनों को बताती थी कि मोनू उसके साथ मारपीट करता है, प्रताड़ित करता है और मुस्लिम रीति रिवाज से रहने को मजबूर करता है।

परिजनों ने उसे कई बार बुर्के में भी देखा। अचानक एक दिन परिजनों को सूचना मिली कि उनकी पुत्री की मौत फांसी लगाने से हो गई है। परिजनों ने फौरन पुलिस को सूचना दी। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर सबंधित धाराओं पर केस दर्ज किया गया। मामले में पुलिस ने 5 लोगों को आरोपी बनाया है जिनके नाम मोनू खां, सोनू खां, गुड्डू खां, शहनाज बी और तबस्सुम खां है। वहीं पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में भी ले लिया है।

महिला की फांसी लगाने को परिजनों ने हत्या बताया है और इसे लव जिहाद और प्रताड़ना से जोड़ा है। हिंदूवादी संगठनों ने मृतिका के परिजनों के साथ बड़नगर में प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं पुलिस प्रशासन की टीम ने मुख्य आरोपी मोनू खां के अवैध मकान पर बुलडोजर कार्रवाई भी कर दी है।

घटना को लेकर मृतका के भाई ने बताया कि उसकी बहन की शादी 4 साल पहले धार जिले के बदनावर में की थी। शादी के 2 साल बाद मोनू खां ने उसकी बहन से संपर्क किया और उसे बहन बना लिया और बाद में शादी कर ली। मोनू खां ने बहन का नाम समीरा कर दिया और उसके साथ निकाह भी पढ़ा। मोनू उसे मुस्लिम रीति रिवाज से रहने को मजबूर करता था। 2 दिन पहले बहन मिली थी और वह कह रही थी कि पति परेशान करता है और मारपीट करता है। वह बुर्के में रह रही थी।

वही मामले में एसडीएम धीरेंद्र पाराशर ने बताया कि महिला की मौत के बाद आज परिजनों ने प्रदर्शन किया था। हिंदूवादी संगठनों की मांग थी कि मामले में कठोर कार्रवाई हो। थ्स् दर्ज कर ली गई है और आरोपी का अवैध मकान तोड़ दिया गया है। जांच जारी है, आगे भी सख्त कार्रवाई होगी।

विद्यार्थियों में लहराया जीत का परचम

माही की गूंज, धार। शासकीय सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों ने विगत दिवस उत्कृष्ट उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय धार में संपन्न हुई 'बालरंग' की जिला स्तरीय प्रतियोगिता की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अब ये चयनित विद्यार्थी 4 अक्टूबर को इंदौर में संभाग स्तर की बाल रंग प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे। विद्यालय की शिक्षिका प्रीतिबाला सक्सेना ने बताया कि सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य डॉ स्मृति रत्न मिश्र के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने बालरंग प्रतियोगिता में लोकनृत्य, निबंध लेखन, वेदपाठ, वादविवाद, प्रश्नमंच, आदि विधाओं में भाग लिया। निर्णायक समिति के निर्णय के अनुसार कक्षा 10वीं की कु सुहानी दुबे ने निबंध लेखन एवं पाठयपुस्तक काव्यपाठ में प्रथम, कक्षा 9वीं की कु रूपाली ने स्वरचित काव्यपाठ में प्रथम, कक्षा 9वीं के काशी दुबे ने संस्कृत वेदपाठ में प्रथम, कक्षा 10वीं के कृष्णा ने प्रश्न मंच में प्रथम, कक्षा 9वीं की कु गौरी श्रीवास ने तात्कालिक भाषण में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार सामूहिक लोकनृत्य में इसी स्कूल की कक्षा 8वीं की कु एंजिल डोडियार, कु शनिका, कु पूनम, कु प्रज्ञा चौहान, कु कृतिका चौहान, कक्षा 7वीं की कु आराध्या की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिला स्तर की बालरंग प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय धार, उत्कृष्ट उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय धार, पीएमश्री उमावि सेमल्दा सहित कई विद्यालय की टीमों ने भाग लिया। एसडीएम धार राहुल गुप्ता के निर्देशानुसार स्वच्छता सेवा पखवाड़ा अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित होने के बाद अनुभाग स्तरीय प्रतियोगिताओ में भी विभिन्न विधाओं में सांदीपनि विद्यालय धार के विद्यार्थियों बाजी मारी है। निबंध प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में गीत सोलंकी प्रथम एवं हिमांशी पाटीदार ने द्वितीय स्थान हासिल किया। चित्रकला कनिष्ठ वर्ग में कु गुंजन कुमावत (कैंपस शाला) ने प्रथम स्थान एवं सिद्धार्थ पवार द्वितीय स्थान पर रहे। चित्रकला प्रतियोगिता वरिष्ठ वर्ग में संदीप गावण ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इसी प्रकार वाद विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में कु माही बैरागी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, गौरी श्रीवास विपक्ष में तृतीय स्थान पर रही।

स्वयं सेवको ने किया शस्त्र पूजन

माही की गूंज, उदयगढ़। खलील मंसूरी

उदयगढ़ में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवको के द्वारा भव्य शस्त्र पूजन कार्यक्रम किया गया। संघ के शताब्दी वर्ष के साथ ही प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माँ दुर्गा के नवरात्रि पर्व और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजयादशमी के अवसर पर विशाल शस्त्र पूजन कार्यक्रम बस स्टैंड मयूर क्लब के दुर्गा पंडाल में किया गया। जिसमे सभी प्रत्येक हिंदू घरों सेस्वयं सेवक अपने हथियार शस्त्र लेकरएक साथ आए और शास्त्रों को रखकर पूजन किया।

शस्त्र पूजन कार्यक्रम में बताया गया कि, शस्त्र हमारी वर्ष भर रक्षा करते है उनका पूजन भी हमे बड़े ही गर्व के साथ करना चाहिए। शस्त्र पूजन कार्यक्रम में कई कई स्वयं सेवक उपस्थित रहे। साथ ही जिला प्रचारक कृष्णा तेजस्वी ओर जिला सह कारवाह आशीष सोनी उपस्थित रहे।

सरकारी राशन लिस्ट से कटेंगे कई नाम

माही की गूंज, धार।

सरकारी राशन का लाभ गरीबों के साथ ही कई अपात्र परिवार भी उठा रहे हैं, जिनके द्वारा हर महीने मुफ्त का राशन लिया जा रहा है। इनमें कुछ तो आयकरदाता की श्रेणी में आते हैं और कुछ की आय छह लाख से अधिक है। इस गड़बड़ी को केंद्र सरकार द्वारा जांच में पकड़ा था। इसके बाद खाद्य विभाग द्वारा जिले के 3771 कार्डधारकों को नोटिस दिया है। जिनसे संतुष्टप्रद जवाब नहीं मिलने की स्थित में राशन पात्रता पर्ची से नाम विलोपित किए जाएंगे।

विभाग द्वारा दिए गए नोटिस के बाद अभी तक 1500 लोगों ने जवाब दिए हैं और शेष से जानकारी मांगी गई है। इसके बाद अपात्रों के नाम पर कैंची चलेगी। अधिकारियों का कहना है कि पूरी प्रक्रिया 10 दिन में पूर्ण होगी और उसके बाद नाम काटे जाएंगे। धार जिले में तीन लाख 67 हजार 852 कार्डधारक परिवारों के लगभग 15 लाख 78 हजार सदस्यों को शासन द्वारा राशन का वितरण किया जाता है। पात्रता के आधार पर कार्डधारकों को ई-केवायसी करना अनिवार्य था। राशन पर्ची को आधार से लिंक किया गया तो कई अपात्र पाए गए। जिनके नाम की पात्रता पर्ची निरस्त हो सकती है।

एक महीने से चल रही प्रक्रिया

विभाग द्वारा आयकर दाता की श्रेणी में पाए गए कार्डधारकों की जानकारी अपडेट की जा रही है। यह प्रक्रिया लगभग एक महीने से चल रही है। अब तक 40 प्रतिशत लोगों ने अपना जवाब पेश किया है। जबकि शेष 60 प्रतिशत की ओर से जवाब आना शेष है, वहीं विभागीय अधिकारियों को कहना है कि 10 दिन के अंदर बाकी बचे लोगों से भी जवाब तलब कर जांच की जाएगी। इसके आधार पर पात्र और अपात्र का निर्णय लेकर नाम विलोपित किए जाएंगे।

9 हजार मीट्रिक टन अनाज का वितरण

शासन द्वारा पात्रता रखने हितग्राहियों को प्रत्येक महीने में पांच किलो अनाज का वितरण किया जा रहा है। जिले में वर्तमान में 15 लाख 70 हजार 678 सदस्यों के हिसाब से 9 हजार मीट्रिक टन अनाज का वितरण हो रहा है। जिले में साढ़े 15 लाख से अधिक सदस्यों की ई-केवायसी हुई है।

प्रक्रिया चल रही है

पात्रता नहीं होने के बाद भी जो लोग अभी तक राशन ले रहे हैं, ऐसे लोगों के नाम विलोपित किए जाएंगे। विभाग ने 3771 को नोटिस दिया था। 1500 ने जवाब प्रस्तुत किया है। फिलहाल प्रक्रिया चल रही है। आगामी 10 दिनों में फिल्टर लगाकर अपात्रों के नाम काटने की कार्रवाई की जाएगी। - श्रीराम बरड़े, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी धार

अपात्र होने के सामने आए कुछ केस

केस-1

पीथमपुर के वार्ड 6 निवासी बाबूलाल महाजन को खाद्य विभाग ने आयकर श्रेणी में होने पर नोटिस दिया था, जिसके जवाब में महाजन ने बताया कि मैं कोई करदाता नहीं हूं। होम लोन के लिए आयकर रिटर्न फाइल तैयार की थीं। इसके बाद आयकर दाता की सूची में मेरा नाम आ गया। योगेश सिंह राणा को भी ऐसा ही नोटिस मिला है, जो खुद किराए के मकान में रह रहे हैं।

केस- 2

तिरला निवासी विजय और अमृत जाट को भी खाद्य विभाग ने नोटिस भेजा था। दोनों को आयकर दाता बताया गया है। जिनका कहना है कि उन्होंने बैंक लोन के लिए आवेदन किया था। इसमें आयकर रिर्टन की अलग से जानकारी मांगी थी। जो भरकर दी है। विभाग द्वारा जांच पूरी होने तक कार्रवाई को पेडिंग रखा गया है।

मृतकों के नाम सूची से हटाए

विभागीय सर्वे में कई ऐसे लोगों के नाम भी सामने आए, जो मृत थे। फिर भी उनके नाम से परिजन राशन प्राप्त कर रहे थे। विभाग का दावा है कि ऐसे करीब साढ़े आठ हजार लोगों के नामों को खाद्यन्न सूची से हटाया गया है। पिछले साल तक मृतक हो चुके लोगों के नाम पर राशन जारी होता रहा है। हर महीने लगभग चार सौ से सवा चार सौ क्विंटल अनाज आवंटित होता था। नाम हटाने के बाद राशन की अब हेराफेरी कम हो गई है।

मुख में राम बगल में छुरी

हे मां रोग्यादेवी, कलयुगी ईश्वर को सद्बुद्धी दे...

माही की गूंज, खवासा।

कल ही संपन्न हुई नवरात्रि में सभी भक्तों ने एक आरती गाई जिसमें गाया गया कि, ''नहीं मांगते धन और दौलत ना चांदी ना सोना हम तो मांगते तेरे मन का एक छोटा सा कोना।'' लेकिन कलयुग में विधर्मियों की नजर माताजी के मंदिर पर भी पढ़ने लगी है। एक और जहां मंदिर के लिए लोग धन और जमींन दान करते हैं लेकिन कलयुगी ईश्वर ने वसीयत द्वारा अपने भाइयों से हड़पी जमीन के साथ ही ग्राम के अति प्राचीन तथा चमत्कारिक रोग्यादेवी मंदिर की जमीन भी अपने व अपने पुत्र, पुत्रीयो के नाम करवा ली। जिसकी भनक लगने के बाद जागरूक ग्रामवासियों द्वारा न केवल इनके खिलाफ, बल्कि मंदिर भी जमीन को अवैध रूप से निजी नाम पर चढ़ाने वाले प्रशासनिक अधिकारी पर भी मामला कोर्ट में ले जाया गया है। मामले की सुनवाई कोर्ट में होने के बाद फैसला चाहे जो भी आए इस कलयुगी ईश्वर की सारे गांव में सार्वजनिक रूप से निंदा की जा रही है।

हम बात कर रहे हैं खवासा के अति प्राचीन मंदिर रोग्यादेवी की जहां पिछले कई वर्षों से माँ की आराधना का पर्व बड़े ही हर्सोल्लास के साथ मनाया जाता आ रहा हैं। कई बुजुर्गों का कहना है कि, इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है और जब बिजली नहीं थी तब यहां दीपक और लालटेन की रोशनी में गरबा खेला जाता था। जो धीरे-धीरे आधुनिकता के चलते भव्य और आधुनिक वाद्य यंत्र व जगमग रोशनी में खेला जाता है।

ग्राम वासियों का कहना है कि, मां रोग्यादेवी रोगों को हरने वाली तथा आरोग्यता प्रदान करने वाली देवी है। खवासा के तीन कोने पर मां रोग्यादेवी , संकट मोचन हनुमान जी तथा तीसरे कोने पर प्रभु श्री राम अपने दरबार सहित विराजित है और इन्हीं के प्रताप के चलते कोरोना जैसी महामारी में आसपास के गांव में इतनी जनहानि होने बावजूद खवासा में कोई जनहानी नहीं हुई। कोरोना काल में खवासा निवासी एक महिला की मृत्यु हुई लेकिन वह भी खवासा में नहीं हुई जिसके चलते ग्रामवाशियो में इन मंदिरों पर अटुट आस्था और विश्वास है। प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा पर्व पर मां रोग्यादेवी मंदिर पर पूजन अर्चन और आरोग्य की कामना भी ग्रामवासियों द्वारा की जाती है। प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्रि में रोग्यादेवी मित्र मंडल द्वारा भव्य गरबा आयोजित इस मंदिर पर किया जाता है जो ग्राम का सबसे अच्छा आयोजन माना जाता है। और यह आयोजन ग्राम के ही नवयुवको द्वारा पूरी मेहनत, लगन और सिद्दत के साथ किया जाता है। लेकिन गत वर्ष मंदिर के पीछे अपने व्यावसायिक निर्माण के दौरान कलयुगी ईश्वर व उनके पुत्र ने इस समिति के खिलाफ भी सार्वजनिक रूप से अभद्र भाषा का उपयोग किया था। कहते हैं कि, कोई व्यक्ति एक बार अपनी चालाकी में सफल हो जाता है तो वह बार-बार अपनी चाल चलता ही रहता हैं। इस कलयुगी ईश्वर के बारे में पड़ताल करने पर पता चला, इसने अपने जीवन में कई चालाकिया कि, परिवार व समाज को अंधेरे में रखकर पर शादीशुदा होने के बावजूद शादी की। अपने मामा को भी धोखा दिया तथा अपने सौतेले भाइयों की जमीन वसीयत द्वारा हड़प कर अपने पुत्रों तथा पुत्री के नाम करवा दी। शासकीय भूमि पर विधायक नीधी द्वारा बने यात्री प्रतीक्षालय को हटाने के लिए झूठी 181 पर शिकायत दर्ज करवाई। सरकारी नाली को अपने निर्माण की सीमा के भीतर ले लिया और उस पर पक्का निर्माण करवा लिया। रिश्वत देकर नाली को अपनी सीमा से कई फीट आगे बनवाया, मंदीर, नाली के साथ शासकिय सड़क तक को अपने नाम नक्से में अधिकारियो से साठ-गाठ कर करवा लिया गया। आदी और ऐसी कई चालकी के बलबूते कलयुगी ईश्वर ने हमेशा दूसरों को बेवकूफ ही बनाया है। लेकिन मंदिर की जमीन के साथ ही सरकारी जमीन भी अपने निजी नाम करवाने के बाद ग्रामवासी सहित स्थानीय रोग्यादेवी मित्र मंडल भी आक्रोशित है।

इस नवरात्र के पावन अवसर पर हम मां रोग्यादेवी से यही प्रार्थना करते हैं कि, हे मां रोग्यादेवी सभी भक्तों पर कृपा बनाए रखें और ऐसे कलयुगी ईश्वर को सद्बुद्धि दे।

असामाजिक तत्वों ने डॉ. अंबेडकर की मूर्ति को पहुंचाया नुकसान

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

ग्राम में लगी भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति बीती रात असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने से ग्राम में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। घटना के बाद मूर्ति को तोड़कर कचरे में फेंक दिया गया। जिससे बाबा साहेब के अनुयायी आक्रोशित हो उठे। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में सारंगी, पेटलावद एवं आसपास क्षेत्र से भीम अनुयायी संगठित होकर सारंगी चौकी पहुंचे। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और नई मूर्ति की स्थापना की मांग की।

स्थिति को देखते हुए सारंगी चौकी प्रभारी एवं पेटलावद थाना प्रभारी निर्भय सिंह भूरिया तत्काल सक्रिय हुए और अनुयायियों को आश्वस्त किया कि, नई मूर्ति शीघ्र स्थापित की जाएगी। अनुयायियों की मांग पर पेटलावद थाना प्रभारी ने जल्द से जल्द नई प्रतिमा उपलब्ध कराने की बात कह कर आक्रोश खत्म करने का प्रयास किया। साथ ही भरोसा दिलाया है कि, 24 घंटे के भीतर स्थल पर नई मूर्ति स्थापित कर दी जाएगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि, बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति खंडित करना केवल समाज में वैमनस्यता फैलाने की कोशिश है, जिसका हर स्तर पर विरोध होना चाहिए।

वहीं पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और असामाजिक तत्वों की तलाश की जा रही है। मामले में फिलहाल कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, मूर्ति तोड़ना केवल किसी की घृणित मानसिकता का परिचय है या इसके पीछे माहौल खराब करने का प्रयास इसकी जांच होनी चाहिए और इस कृत्य को अंजाम देने वाले को पकड़ा जाना चाहिए की मांग की जा रही है।

उच्च न्यायालय की रोक, आज नहीं जलेगी सूर्पनखा

इंदौर। दशहरे पर संस्था पौरुष द्वारा अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी समेत ऐसी महिलाओं के पुतले सूर्पनखा दहन के रूप में जलाने की तैयारी की गई थी, जो पति, बच्चे और परिवार की हत्या या हत्या की साजिश की आरोपी हैं। इसके खिलाफ सोनम की मां संगीता रघुवंशी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। जिस पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने दशहरे पर होने वाले इस सूर्पनखा दहन आयोजन पर रोक लगा दी।

उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने के बाद आयोजक संस्था पौरुष के पदाधिकारियों ने पुलिस आयुक्त से मिलकर तीन विकल्पों के साथ पुतला दहन की अनुमति मांगी। ये तीन विकल्प थे बिना चेहरे का पुतला दहन करने की अनुमति, पौराणिक आख्यानों में वर्णित पूतना, सुरसा, सिंहनी, ताड़का के चेहरे के साथ दहन की अनुमति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बनाए गए काल्पनिक चेहरे के साथ पुतले दहन की अनुमति मांगी। लेकिन पुलिस प्रशासन ने संस्था को इस तरह के किसी आयोजन की अनुमति नहीं दी और उनका आवेदन निरस्त कर दिया। इसके बाद संस्था पौरुष द्वारा महालक्ष्मी नगर मेला मैदान पर आज 2 अक्टूबर विजयादशमी पर आयोजित होने वाला कार्यक्रम पूरी तरह निरस्त कर दिया गया है।

संस्था अध्यक्ष अधिवक्ता अशोक दशोरा ने मीडिया को बताया कि, हमने पुलिस आयुक्त से तीन विकल्पों पर अनुमति मांगी थी, लेकिन किसी भी प्रकार की स्वीकृति नहीं मिलने के कारण अब संस्था द्वारा महालक्ष्मी नगर मेला मैदान पर कोई भी आयोजन नहीं होगा। आज दशहरे के अवसर पर संस्था पौरुष द्वारा कोई कार्यक्रम नहीं किया जा रहा है।

वाह मंत्री जी वाह आप तो स्वच्छता का संदेश देने आई और गंदगी फैला कर चली गई...!

फोटो खिंचवा कर वाहवाही लूटने से स्वच्छता कैसे होगी...?

कार्यक्रम से पहले मंत्री निर्मला भूरिया के साथ सफाई करते जनप्रतिनिधि।

कार्यक्रम के बाद मंत्री और नेता नगरी नाश्ता सामग्री की गंदगी फैला कर चल दिए।

माही की गूंज, पेटलावद।

भाजपा द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े पर वाहवाही लूटने और दिखावा करने का नजारा देखने को मिल रहा है। अपने विधानसभा क्षेत्र पेटलावद के दौरे पर लगातार भ्रमण कर रही केबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया सोमवार को स्वच्छता ही सेवा है, पखवाड़ा कार्यक्रम में भाग लिया एवं पंपावती नदी के तट पर सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया, नगर परिषद पेटलावद का अभियान किया साथ ही वृक्षारोपण भी किया।

मंत्री भूरिया के साथ नगर परिषद की अध्यक्ष एवं पार्षद सहित जनप्रतिनिधियो की उपस्थिति रहे। इसके पश्चात नगर परिषद द्वारा स्थानीय मेला मैदान पर सभा का आयोजन किया गया। जिसमे मंत्री भूरिया ने स्वच्छता अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान की जानकारी दी। स्वच्छता अभियान के दौरान मंत्री भूरिया सहित अध्यक्ष, पार्षद सहित भाजपा नेता हाथ में झाड़ू ओर सफाई सामग्री लेकर फोटो खिंचवाते नजर आए। आयोजन के पश्चात मंत्री भूरिया एव उपस्थित नेताओं के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। स्वच्छता का संदेश देने वाले नेताओं ने नाश्ते के बाद अपने ही दिए संदेश पर मिट्टी डालते हुए नाश्ते की प्लेट, प्लास्टिक के डिस्पोजल सहित दूसरी गंदगी संभा स्थल मेला ग्राउंड में फैला कर चले गए। जिसके फोटो, वीडियो भी वायरल हुए। मंत्री भूरिया की उपस्थिति में हुआ ये मामला चर्चा का विषय बन गया। लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए नेताओं को स्वच्छता के नाम पर दिखावा करने एव सफाई कर्मियों को असली हीरो बताते हुए स्वच्छता के लिए उनको प्रेरित ओर अधिक सुविधा देने की बात कही है। वही नगर परिषद को भी आयोजन स्थल पर डसबिन रख कर नाश्ते के बाद के वेस्टेज को डसबिन में फेंकने का संदेश देकर स्वच्छता अभियान को सफल बनाना था। लेकीन ऐसा नही हुआ इसके बाद आम लोग चटकारे लेते हुए कह रहे है कि, वाह मंत्री भूरिया जी वाह आप तो स्वच्छता का संदेश देने आई और गंदगी फैला कर चली गई... !

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पूरा हिसाब बराबर-राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर पूरा हिसाब बराबर किया। राजधानी में वायुसेना की संगोष्ठी में उन्होंने इस अभियान को तीनों सेनाओं के बीच तालमेल का बेहतरीन उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में खतरे अधिक जटिल हो गए हैं और कोई भी सेना अकेले काम करके सफल नहीं हो सकती। सफलता के लिए संयुक्त संचालन और एकजुटता अनिवार्य है। रक्षा मंत्रालय ने भी कहा कि सरकार का उद्देश्य थलसेना, वायुसेना और नौसेना के बीच और अधिक एकीकरण लाना है। राजनाथ सिंह ने चेताया कि विमानन सुरक्षा और साइबर युद्ध जैसे अहम क्षेत्रों में अलग-अलग मानक खतरनाक साबित हो सकते हैं। इसलिए सभी सेनाओं को साझा मानक अपनाने होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के हालिया संयुक्त कमांडर सम्मेलन के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की सेनाएं न केवल परंपराओं और मूल्यों में सर्वश्रेष्ठ हैं बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार भी की जा रही हैं।

चिदंबरम का बयान, कांग्रेस में बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के दावे पर कांग्रेस के अंदर बवाल मच गया है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने इस बयान को पार्टी को कमजोर करने वाला बताया। अल्वी ने कहा, क्या इसका मतलब है कि वे अमेरिकी दबाव में काम कर रहे थे? उनका यह बयान सिर्फ भाजपा को फायदा देगा।

दरअसल, चिदंबरम ने दावा किया था कि 26/11 हमले के बाद भारत अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई नहीं कर सका। साल 2008 में मुंबई में हमला हुआ, तब कांग्रेस नेता चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि उस समय अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस उनसे और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिलने भारत आई थीं और उनसे स्थिति पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देने का अनुरोध किया था।

चिदंबरम का कहना था कि मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था, लेकिन मनमोहन सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का निर्णय लिया। चिदंबरम ने कहा, पूरी दुनिया दिल्ली में यह कहने आई थी कि युद्ध मत शुरू कीजिए। उन्होंने आतंकी हमले के कुछ दिन बाद ही गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाली थी। मुंबई हमले में 175 लोगों की जान गई थी।

अब चिदंबरम के बयान पर कांग्रेस नेता अल्वी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। अल्वी ने कहा, क्या इसका मतलब है कि वे अमेरिकी दबाव में काम कर रहे थे? ऐसा बयान केवल भाजपा को फायदा देगा। चिदंबरम अब 16 साल बाद यह दावा क्यों कर रहे हैं? अगर उस समय वे असहमत थे, तब उन्हें त्यागपत्र दे देना चाहिए था। कांग्रेस के अंदर ही कई लोग हैं जो पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं। इसके पहले भाजपा ने चिदंबरम के बयान पर तंज कसा था। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने मनमोहन सिंह सरकार को कमजोर करार देकर राहुल गांधी पर सवाल दागे थे। प्रसाद ने कहा, मनमोहन सिंह सरकार में गृह मंत्री रहे चिदंबरम ने अब खुद माना है कि मुंबई हमलों के बाद वे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के पक्ष में थे, लेकिन उस समय विदेश मंत्रालय ने उन्हें रोक दिया और पूर्व प्रधानमंत्री सिंह चुप रहे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, यह कितनी कमजोर सरकार थी, जब निर्दोष भारतीय मारे जा रहे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422